



মেধাবী छात्रों के स्कूटी की चाबी (प्रतीकात्मक) सौंपते हुए सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा-बेटियों को अवसर मिलने से परिवार और समाज दोनों होते हैं सशक्त

▶▶ **पात्र 7 हजार 400 से अधिक विद्यार्थियों के खातों में वाहन की राशि ट्रांसफर की**

▶▶ **कक्षा 12 वीं में प्रथम प्रयास में ही 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान पर आना जरूरी**

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



‘मुख्यमंत्री स्कूटी योजना’ के तहत 7 हजार 400 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मिली स्कूटी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भोपाल

विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों को पुरस्कृत करना परिवार, समाज और सरकार का दायित्व है। आर्थिक कठिनाइयों अथवा संसाधनों की कमी के कारण किसी भी प्रतिभावान विद्यार्थी की प्राप्ति नहीं स्कूनी चाहिए। मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही स्कूटी केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और परिश्रम के पुरस्कार के साथ आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहन है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत स्कूटी वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के सुभाष स्कूल में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में कक्षा-12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सार्वजनिक रूप से चाबी सौंपी।



मेधावी छात्रों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सीएम ने कहा-स्कूटी सिर्फ वाहन नहीं, यह प्रतिभा और आत्मविश्वास का है पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूटी वितरण कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद कर उनके भावी लक्ष्यों के बारे में जाना। प्रदेश की की मेरिट सूची में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली टॉपर खुशी राय ने बताया कि स्कूटी मिलने से उन्हें कॉलेज आने-जाने में सुविधा होगी। वे चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की तैयारी कर रही हैं।

स्कूल शिक्षा के लिए 38 हजार करोड़ रुपए

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के विस्तार और गुणवत्ता सुधार के लिए बजट में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। आजादी के बाद 1956 में मध्यप्रदेश की स्थापना हुई। राज्य का कुल बजट 55 साल में केवल 22 हजार करोड़ रुपए था और वर्ष 2002-03 तक स्कूल शिक्षा विभाग का बजट मात्र 2600 करोड़ रुपए था।

खबर संक्षेप

ट्रक ने बाइक को रौंदा दो की मौत, एक गंभीर कटनी। राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर शनिवार दोपहर करीब 1 बजे नायरा पेट्रोल पंप (बड़वारा) के पास दर्दनाक हादसा हुआ। उमरिया की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने गलत लेन में जाकर बाइक को सीधी टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार राममिलन नापित (45, निवासी कोडिया) और रामसुजान नापित (40, निवासी टितवार) की सिर व शरीर में गंभीर चोटें आने से मौके पर ही मौत हो गई।

इमरती ने मंच पर बैठे नेताओं को बताया हत्यारा! ग्वालियर। डबरा में आयोजित मेरा सपनों का भारत चित्र सेवा कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री इमरती देवी का तीखा रूप देखने को मिला। ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशावाहा द्वारा खुद मंच पर बुलाए जाने के बावजूद वे मंच पर नहीं गईं और कार्यक्रमों के बीच बैठी रहीं। कार्यक्रम के बैनर में भी उनकी तस्वीर गांयब थी। इमरती देवी ने मंच पर बैठे लोगों पर सीधा हमला बोलते हुए उन्हें हत्याार और हत्या का आरोपी करार दिया।

स्पाइसजेट की कई उड़ानें रद्द और लेट, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर शनिवार को परिचालन (ऑपरेशनल) संबंधी दिक्कतों के कारण स्पाइसजेट की कई फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। कई उड़ानों में घंटों की देरी हुई, जबकि कुछ रद्द कर दी गईं, जिससे सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया पर इस अवस्था के लिए यात्रियों से माफी मांगी है और बताया कि सहायता प्रदान की गई।

अफसर की पत्नी थीं माजपा से विधायक ओबीसी से बने शिक्षक, एससी-एसटी से डीएसपी पूर्व आईपीएस रघुवीर सिंह मीणा पर हुआ केस

फर्जी जाति प्रमाण पत्र इस्तेमाल करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भोपाल

कास्ट सर्टिफिकेट मामले में पूर्व आईपीएस रघुवीर सिंह मीणा की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर उनके खिलाफ केस दर्ज हो गया है। उनकी पत्नी ममता मीणा भाजपा से विधायक रही हैं। उन्होंने अलग-अलग समय में अलग-अलग जाति सर्टिफिकेट का इस्तेमाल किया है।



हमलावर कुत्ता अभी तक नहीं पकड़ा जा सका



दरअसल, पूर्व विधायक ममता मीणा के पति पूर्व आईपीएस रघुवीर सिंह मीणा पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र इस्तेमाल करने का आरोप है। जांच के बाद पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। केस धोखाधड़ी, साजिश, गलत दस्तावेज और एससी-एसटी

अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया है। पूर्व आईपीएस रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि फर्जी एससी-एसटी सर्टिफिकेट से एमपीपीएससी से डीएसपी पद पर चयन हासिल किया। इसके बाद दूसरे सेवाओं का लाभ भी इसी आधार पर लिया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मुख्यालय ने जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि पुलिस सेवा में आने से पहले वह शासकीय शिक्षक थे। शासकीय शिक्षक बनने के लिए उन्होंने ओबीसी वर्ग का सर्टिफिकेट दिया था।

नलखेड़ा के लोग पिछले 10 साल से इस नाले की उंचाई बढ़ाने की मांग कर रहे थे, ताकि तेज बारिश में लखुंदर नदी के बहाव में किसी की जान न जाए

हे माई, इन 8 लोगों का क्या कसर था ? नाले पर पुलिया 10 साल से नहीं बनी



डूबी हुई कार को निकालते लोग

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नलखेड़ा

नलखेड़ा में मां बगलामुखी मंदिर के पास बरसाती नाले में कार बहने से 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 बच्चे, 2 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। 7 मृतक ओडिशा के रहने वाले थे, जबकि कार ड्राइवर अरुण गोयल आगर-मालवा के बड़ौदा का निवासी था। सभी श्रद्धालु उज्जैन से कार किराए पर लेकर मां बगलामुखी मंदिर दर्शन के लिए आए थे। एसपी दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि हादसा रात करीब 1:30 से 3 बजे के बीच तेज बारिश के दौरान हुआ।



नरेंद्र मोदी



मोहन यादव

▶▶ नलखेड़ा मंदिर के पास 100 मीटर दूर पार्किंग के पास यह नाला काफी खतरनाक, यहीं से गुजरते हैं मंदिर से लौटते वाहन, ये कार इसी नाले ने नीचे उतरकर पानी में समा गई

नलखेड़ा में पिछले 24 घंटे में 3.7 इंच रिकॉर्ड बारिश

▶▶ **पीएम मोदी और सीएम डॉ. यादव ने जताया दुःख, मुआवजे का किया ऐलान**

लोगों ने पुलिया पर बैरिकेडिंग और पुलिस व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए



वहीं पुलिया जिसके कारण बड़ा हादसा हुआ

▶▶ **आधी रात हादसा, सुबह कार की छत दिखी, कार बहकर 60 फीट दूर तक चली गई**

गुस्साए लोगों ने किया चक्काजाम, दुकानें रखी बंद



शव को ले जाते हुए

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने इस हादसे के लिए प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार बताया। कहा कि तहसील या जिला प्रशासन के पास इतना तो फंड रहता है कि एक छोटी सी पुलिया बनाई जा सके। स्थानीय लोगों ने आंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम किया गया और कई दुकानदारों ने स्वेच्छा से दुकानें बंद कर दीं।

उफनते नाले में बही कार, 8 की मौत, इनमें 7 ओडिशा के, नलखेड़ा के बगलामुखी मंदिर में पूजन कराने आए थे

पुलिया पर था करीब 4 फीट पानी

स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे के समय पुलिया पर करीब 3-4 फीट पानी था और बैरिकेड्स नहीं लगे थे। मौके पर एक तरफ की रेलिंग टूटी हुई भी मिली। हालांकि, कार टूटी रेलिंग से टकराकर नाले में गिरी, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। क्लेक्टर शेर सिंह मीणा के मुताबिक ब्रिज के दोनों ओर स्थायी लोहे की बैरिकेडिंग लगी है। कार ब्रिज से बहकर यहां पहुंची या किसी दूसरे रास्ते से नाले में गिरी, इसकी जांच की जा रही है।

महिलाएं बोलीं- कचरा वाहन से ले जाए शव

हादसे के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। स्थानीय महिलाओं ने आरोप लगाया कि शवों को नगर परिषद के कचरा वाहन ले जाया गया और एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं थी।



बस दुर्घटनाग्रस्त

चार्टर्ड बस का चालक मौके से फरार

तेज रफ्तार चार्टर्ड बस ने कार को मारी टक्कर, चार की मौत

सागर के दो जैन व्यापारियों समेत तीन ने मौके पर तोड़ा दम, एक की अस्पताल में मौत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सागर

बहेरिया थाना क्षेत्र में गढ़ाकोटा मार्ग स्थित चनाटोरिया के पास शनिवार को तेज रफ्तार चार्टर्ड बस और कार की सीधी भिड़त में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में सागर के दो जैन व्यापारी भी शामिल हैं। हादसे में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक घायल की मकरानिया स्थित निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

पत्नी से 1 साल से चल रहा था विवाद युवक ने पत्नी और 3 बच्चों को कुल्हाड़ी से काट डाला

छोटे भाई पर शक कि वह भाभी को भगाकर ले जाएगा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ दमोह

जिले के ममरोन थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव में शनिवार सुबह एक ही परिवार के 4 लोगों की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। आरोपी द्वारा का



उर्मिला खेमा राजा उमेश

पटेल ने पत्नी खेमाबाई (27), बेटी उर्मिला (7), बेटे उमेश (4) और राजा (1) पर हमला किया।

96 करोड़ का मिलावटी घी सप्लाई किया तिरुपति मंदिर में रोजाना 4 लाख लड्डू मिलावटी घी में बनाए गए थे

एजेसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार देर शाम तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी में कथित मिलावट के मामले में सुकृति फूड्स के प्रमोटर कैलाश चंद मंगला को गिरफ्तार किया है। ईडी का आरोप है कि असली घी के नाम पर कथित तौर पर मिलावटी घी की सप्लाई की गई थी। एजेसी के मुताबिक तिरुमला तिरुपति देवस्थान (टीटीडी) को एगमाक स्पेशल ग्रेड काउ घी के नाम



काइल फोटो

पर रिफाईंड पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल, पामोलिन और एसीटिक एसिड एस्टर जैसे केमिकल से तैयार घी सप्लाई किया गया।

संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले करेंगे संबोधित आज राजधानी के लाल परेड ग्राउंड में जुटेंगे 800 शाखाओं के 30 हजार स्वयंसेवक

कार्यक्रम को ‘शाखा संगम’ नाम दिया गया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) रविवार को राजधानी भोपाल में बड़े कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम को ‘शाखा संगम’ नाम दिया गया है। इस ‘शाखा संगम’ में करीब 30 हजार पूर्ण गणवेशधारी

स्वयंसेवक जुटेंगे। कार्यक्रम में संघ के सह सकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे और स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। होसबाले समाज के सामने मौजूदा चुनौतियों, भविष्य के लक्ष्यों और इतिहास से मिलने वाली सीख पर प्रबोधन देंगे। दोपहर करीब 3 बजे होने वाले इस आयोजन में भोपाल विभाग के 5 जिलों के 6 नगरों की 250 बस्तियों में संचालित करीब 800 शाखाओं के 30 हजार स्वयंसेवक शामिल होंगे।

जुटेंगे स्वयंसेवक

कार्यक्रम में हजारों स्वयंसेवक एक साथ समता यानी परेड, व्यायाम, दंड प्रयोग और योग का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन के दौरान राष्ट्र निर्माण और समाज में संगठन की भूमिका से जुड़े संदेश भी सामने रखे जाएंगे। 11 दिसंबर 2022 को लाल परेड ग्राउंड पर संघ का शारीरिक प्रकटोत्सव हुआ था। उस आयोजन में भी दत्तात्रेय होसबाले शामिल हुए थे।

इससे पहले अगले सप्ताह प्रदेश के कई हिस्सों में होगी तेज बारिश, भोपाल में भी एक और दौर रहेगा

अब मानसून की वापसी शुरू, राजस्थान के पश्चिमी हिस्से से रवाना, प्रदेश से 30 सितंबर तक जाएगा

भोपाल में 107 मिमी अधिक वर्षा रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी मध्यम से हल्की बारिश का दौर जारी है। इस बीच शनिवार को दक्षिण पश्चिमी मानसून की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पहले दिन मानसून ने पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से विदाई ले ली है। अगले दो से तीन दिन में यह और हिस्सों से लौटेगा। इस बीच प्रदेश से मानसून की वापसी 30 सितंबर तक होने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार मानसून राजस्थान विदा हो रहा है।



राजधानी का होशंगाबाद रोड, दोपहर 1:00 बजे का दृश्य

रात की बारिश से डैम के गेट खुले

शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात में भोपाल सहित कई जिलों में तेज से मध्यम बारिश हुई। भोपाल में 24 घंटे में 11 मिमी से अधिक बारिश के साथ अब की कुल बारिश का आंकड़ा 1144.5 मिमी रहा, जो सामान्य से 107 मिमी अधिक है। भोपाल सहित आसपास हुई बारिश के बाद भद्रभदा का एक और कलियासोत डैम के दो गेट खोल दिए गए हैं।

40 से अधिक शहरों में बारिश हुई

पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में तेज से हल्की बारिश हुई। इनमें भोपाल, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, रीवा, सीधी, सिंगरौली, सतना, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडीरी, पांडुरंग, राजगढ़, सीहोर, विदिशा, रायसेन, उमरिया, अनूपपुर, उज्जैन, रतलम, शाजापुर, आनंद-मालवा, बंदीर, धार, झाड़ुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, खंडवा, नर्मदापुरम, बैतुल, हयबा, श्योपुर, सागर और दमोह आदि इलाके शामिल हैं।



‘दुपहिया सीजन-2’ का प्रीमियर एक अक्टूबर को

मुंबई। प्राइम वीडियो की हिंदी ओरिजिनल सीरीज दुपहिया के दूसरे सीजन का प्रीमियर एक अक्टूबर को होगा। धड़कपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित कॉमेडी-ड्रामा सीरीज के नए सीजन में गांव के लोगों के सामने नई चुनौतियां और परेशानियां आएंगी। दुपहिया के दूसरे सीजन का निर्देशन सोनम नायर ने किया है। सलोना बैन्स

जोशी और शुभ शिवदासानी ने बॉम्बे फिल्म कार्टेल एलएलपी के बैनर तले इसका निर्माण किया है। अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग इसके लेखक और रचनाकार हैं। सीरीज में गजराज राव, रेणुका शहाणे, स्पशं श्रीवास्तव, भुवन अरोड़ा, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।



हॉलीवुड मसाला



विवादों में हॉलीवुड अभिनेत्री स्वीनी

नई दिल्ली। वक्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड जैसी कई शानदार मूवीज के जरिए फैस का दिल जीतने वाली हॉलीवुड की लेडी सुपरस्टार सिडनी स्वीनी को भला कौन नहीं जानता। मौजूदा समय में अपनी फिल्मों के अलावा एक विवादित टीवी ऐड को लेकर सिडनी का नाम सुर्खियां बटोर रहा है। जिसमें हॉलीवुड अदाकारा ने बेशर्मी की सांरे हद्दों का पार कर दिया है। स्पोटर्स मैबलिंग कंपनी के लिए किए गए इस विज्ञापन में सिडनी का न्यूड अंदाज देख खेल जगत में हडकंप मच गया है और अभिनेत्री को आलोचनाओं को सामना करना पड़ा रहा है।



अभिनेत्री मिली बॉबी ब्राउन दूसरी बार बनीं मां

लॉस एंजिलिस। नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स' में 'इलेवन' की भूमिका निभाने वाली हॉलीवुड अभिनेत्री मिली बॉबी ब्राउन 22 साल की उम्र में दूसरी बार मां बन गई हैं। उन्होंने अपने पति जेक बॉगियोवी के साथ मिलकर एक बेटे का स्वागत किया है। इसका ऐलान उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर किया। साथ में बच्चे की पहली झलक भी दिखाई। मिली और जेक ने इंस्टाग्राम पर अपनी संयुक्त पोस्ट में बेटे के आगमन का ऐलान किया है। उन्होंने बच्चे की एक झलक साझा की है, जिसमें उसका लम्बा हाथ अपने पिता जेक की उंगली में लिपटा हुआ है। वहीं, मिली ने अपना हाथ दोनों हाथों पर रखा हुआ है। तस्वीर में वह अपनी 'मॉम' रिंग भी दिखा रही हैं।



‘तुम मेरे हो’ में एक साथ आएंगे नजर...

मुंबई। गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय पहली बार फिल्म तुम मेरे हो में साथ नजर आएंगे। आशीष पांडा निर्देशित यह फिल्म प्रेम, एक्शन और रोमांच से भरपूर होगी। फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म ईशा मालवीय की बॉलीवुड में पहली फिल्म है। निर्देशक आशीष पांडा ने कहा कि फिल्म में प्यार के साथ उन भावनाओं और चुनौतियों को भी दिखाया गया है, जो रिश्ते की परीक्षा लेती हैं। रेवा क्रिएटिव हाउस और डेबगुरु फिल्मस निर्मित इस फिल्म की निर्माता आरती एस और डेविना बनर्जी हैं। फिल्म की कहानी और पटकथा निरंजन अयंगर तथा पूर्वा नरेश ने लिखी है। संगीत सारेगामा के सहयोग से तैयार किया गया है, जबकि वितरण पीवीआर पिक्चर्स करेगा। फिल्म के निर्माताओं ने इसके पहले पोस्टर जारी किए हैं।



‘लव रंजन’ में छह नए चेहरों की दस्तक

मुंबई। निर्माता लव रंजन की फिल्म ‘पहला प्यार दूसरी बार’ का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। अनुज सैनी के निर्देशन में बनी यह फ्रेंडशिप-कॉमेडी फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के जरिए अलीशा चोपड़ा, स्पशं वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद्य, सरगुन कौर लुथरा और तुषार छिब्बर हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं। जारी पोस्टर में सभी छह कलाकार एक साथ नजर आ रहे हैं। लव फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। लव रंजन ने कहा कि नए कलाकारों को पेश करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि छह नए चेहरों के लिए एक दुनिया तैयार करना और उन्हें उसमें अपनी लय तलाशते देखना उनके लिए सुखद अनुभव रहा।

टीवी मसाला

‘बिग बॉस : रोहेद खान बने शो से बेघर होने वाले पहले प्रतियोगी

मुंबई। 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में इस सीजन का पहला एक्विशन देखने को मिला। रोहेद खान शो से बेघर होने वाले पहले प्रतियोगी बन गए हैं। हालांकि, अचानक हुए इस फैसले से फैस बेहद नाराज हैं। 'एक्स्ट्रा जीवदान' नियम के तहत रोहेद को बिना किसी मजबूत वजह के बेघर किए जाने पर दर्शकों का गुस्सा सोशल मीडिया पर फूट पड़ा है। प्रशंसकों का आरोप है कि निर्माता अपनी सहूलियत के हिसाब से नियम बदलकर पक्षपात कर रहे हैं।

‘वीकेड का वार’ में हुआ सीजन का पहला एक्विशन : 'बिग बॉस 20' के 'वीकेड का वार' के साथ ही सीजन के पहले एक्विशन की खबर आ गई है। दूसरे हफ्ते में रोहेद खान शो से बेघर हो गए हैं। उनके साथ आसिफ खान और तन्मय सिंह भी सीधेतौर पर बेघर होने के लिए नामांकित थे। दरअसल, इन तीनों को घर के नियमों का उल्लंघन करते हुए नामांकन पर चर्चा करने के कारण सजा के तौर पर सीधे नॉमिनेट किया गया था, जिसके बाद रोहेद का सफर खत्म हो गया।

‘एक्स्ट्रा जीवदान’ नियम पर भड़के दर्शक : शो में 'एक्स्ट्रा जीवदान' नियम को लेकर फैस निर्माता पर भड़क गए हैं। पहले हफ्ते में कम वोट मिलने के बावजूद उदित सिंह को 'जीवदान' देकर बचा लिया गया था, लेकिन दूसरे हफ्ते में रोहेद के लिए इसका इस्तेमाल नहीं हुआ। निर्माताओं के इस दोहरे रवैये से दर्शक बेहद नाराज हैं। सोशल मीडिया पर लोग इसे पक्षपातपूर्ण बता रहे हैं और उनका कहना है कि ये नियम सिर्फ निर्माता अपनी सहूलियत और पसंद के हिसाब से इस्तेमाल कर रहे हैं।

उदित को भी पहले हफ्ते निकालते- यूजर

रोहे के बेघर होने पर एक अन्य यूजर ने लिखा, 'हम जानते हैं कि वह शो में खास योगदान नहीं दे रहे थे, लेकिन यह एक्विशन पूरी तरह से अनुचित है। ये 2X कॉन्सेंट बेकार है, वरना पहले हफ्ते में उदित भी बाहर होता।' 'वीकेड का वार' एपिसोड में ये साफ हो जाएगा कि एलिमिनेशन की प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ती है और क्या आने वाले हफ्तों में 'एक्स्ट्रा जीवदान' दिक्कत की कोई भूमिका देखने को मिलेगी।

अजय की फिल्म ‘रेंजर’ टली, मगर ‘गोलमाल 5’ की रिलीज हुई पक्की

मुंबई। अजय देवगन के फैस के लिए एक तरफ थोड़ी मायूसी तो दूसरी तरफ बड़ी खुशखबरी आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रेंजर' की रिलीज को फिलहाल टाल दिया गया है। हालांकि, कॉमेडी के शौकीनों के लिए राहत की बात ये है कि अजय की ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी 'गोलमाल 5' की रिलीज तारीख पक्की हो गई है। आइए जानते हैं रोहित शेट्टी और अजय देवगन की ये सुपरहिट जोड़ी कब सिनेमाघरों में वापसी कर रही है।

8 जनवरी को हंसाने आ रही रोहित शेट्टी की टीम

रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी की अगली किस्त 'गोलमाल 5' की रिलीज तारीख आधिकारिक तौर पर तय हो गई है। ये फिल्म 8 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और साल 2027 की पहली बड़ी फिल्म बनेगी। फिल्म में अजय के साथ-साथ इस बार अक्षय कुमार भी गैंग में शामिल हो रहे हैं। उनके अलावा अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, कुणाल खेमु, तुषार कपूर और शरमन जोशी जैसे सितारों दर्शकों को हसी का डोज देने के लिए तैयार हैं।

‘गोलमाल अगेन’ के दशक भर बाद आ रही ‘गोलमाल 5’

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बजने वाली 'गोलमाल 5' के साथ ये ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी करीब एक दशक बाद वापसी कर रही है। इससे पहले साल 2017 में 'गोलमाल अगेन' रिलीज हुई थी। इस सीरीज की शुरुआत साल 2006 में 'गोलमाल: फन अनलिमिटेड' से हुई थी, जिसके बाद साल 2008 में 'गोलमाल रिटर्न्स' और साल 2010 में 'गोलमाल 3' आई।



फिल्मी दुनिया में न आते तो इंजीनियर होते विक्की कौशल, सोनू सूद सहित ये सितारे

मुंबई। बॉलीवुड में अभिनय की शुरुआत करने से पहले कई सितारों ने अपनी पढ़ाई पूरी की और अलग-अलग विषयों में डिग्री हासिल की। इनमें कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जिन्होंने इंजीनियरिंग की शिक्षा लेकर बाद में अभिनय को अपना करियर बनाया। आज ये सितारे अपनी शानदार अदाकारी और दमदार किरदारों से दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुके हैं। आइए जानते हैं बॉलीवुड के उन सितारों के बारे में जिन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और अगर बॉलीवुड में नहीं आते तो कहीं इंजीनियरिंग क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे होते।

विक्की कौशल और कृति सैनन

विक्की कौशल ने 2009 में मुंबई के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले कृति सैनन ने नोएडा स्थित जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी से



पढ़ाई की। उन्होंने यहां से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री हासिल की थी।

सोनू सूद

सोनू सूद ने फिल्म 'इंडस्ट्री' में कदम रखने से पहले नागपुर के यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से पढ़ाई की थी। उन्होंने यहां से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की और इसके बाद अभिनय की दुनिया में अपना करियर शुरू किया।



सुशांत सिंह राजपूत और तापसी पन्नू

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की थी। हालांकि, अभिनय के लिए उन्होंने अंतिम वर्ष में पढ़ाई छोड़ दी और मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। तापसी पन्नू ने नई दिल्ली के गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और डिग्री हासिल की। मॉडलिंग को करियर बनाने से पहले उन्होंने कुछ समय तक बतौर सॉफ्टवेयर डेवलपर भी काम किया था।

ऋचा चड्ढा की पहली नॉन-फिक्शन सीरीज ‘मुसाफिरी’ का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अपनी पहली नॉन-फिक्शन सीरीज मुसाफिरी का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह रिचा का यूट्यूब पर भी पहला कदम है। आठ एपिसोड की इस सीरीज को रिचा ने होस्ट करने के साथ-साथ लिखा और प्रोड्यूस भी किया है। मुसाफिरी नए यूट्यूब चैनल फुल स्टाप पर 25 सितंबर से प्रसारित होगी। इसके बाद हर शुक्रवार एक नया एपिसोड जारी किया जाएगा। इस चैनल को रिचा चड्ढा और अली फजल ने लॉन्च किया है। मुसाफिरी ऋचा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस बटंटस स्टूडियोज की दूसरी प्रस्तुति है। इससे पहले प्रोडक्शन हाउस की फिल्म गल्स विल बी गल्स को सनडांस में कई सम्मान मिले थे। रिचा को इंडी स्पिरिट्स अवार्ड्स में जॉन कैसावेट्स प्राइज से सम्मानित किया गया था।

मां बनने के बाद नजरिया बदल गया : रिचा

रिचा ने कहा कि मां बनने के बाद दुनिया को देखने का उनका नजरिया बदला और उनके भीतर चीजों को नए सिरे से जानने की जिज्ञासा पैदा हुई। उन्होंने सवाल किया कि जिस शहर में वह इतने वर्षों से रह रही हैं, क्या वह वास्तव में मुंबई को जानती हैं और इस शहर ने उन्हें जो कुछ दिया है, उसके प्रति उनको क्या जिम्मेदारी है। मुसाफिरी के जरिए रिचा अपने ही शहर को एक जिज्ञासु यात्री की नजर से जानने की कोशिश करेंगी। सीरीज का पहला सीजन पूरी तरह मुंबई को समर्पित है।



तीन मिडकैप फंड ने किया बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन

- ▶▶ व्हाइटओक, एडेलवाइज़ और निप्पॉन इंडिया ने दिया खूब रिटर्न
- ▶▶ निवेश से पहले जोखिम और लागत को समझना बेहद जरूरी
- ▶▶ मिडकैप में ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ उतार-चढ़ाव भी अधिक
- ▶▶ तीनों फंडों ने अलग-अलग अवधि में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा
- ▶▶ पिछले प्रदर्शन को भविष्य की गारंटी का मानें

बिजनेस डेस्क

मिडकैप न्यूउअल फंड उन कंपनियों में निवेश करते हैं जो बड़ी कंपनियों से छोटी, लेकिन स्मॉलकैप कंपनियों से अपेक्षाकृत बड़ी होती हैं। इनमें विकास की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर इनका उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है। हाल के आंकड़ों में मिडकैप सेगमेंट की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। 10 सितंबर 2026 तक एक साल में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% रहा, जबकि तीन साल में इसका सालाना औसत रिटर्न करीब 15% रहा। ऐसे माहौल में यह देखना महत्वपूर्ण हो जाता है कि कौन-से सक्रिय मिडकैप फंड अपने बेंचमार्क से आगे रहे हैं। इन्विस्टमास्टर की 30 से अधिक फंडों की स्क्रीनिंग में तीन योजनाएं सामने आईं व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड, एडेलवाइज़ मिड कैप फंड और निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड। इस विश्लेषण में रिटर्न के साथ जोखिम-समायोजित प्रदर्शन को भी देखा गया। आंकड़े 10 सितंबर 2026 तक के हैं।

1. व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड

यह तीनों में अपेक्षाकृत नया फंड है। सितंबर 2022 में शुरू हुए इस फंड ने उपलब्ध अवधि में बेंचमार्क से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। एक साल में फंड का रिटर्न 14.92% रहा, जबकि निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% था। तीन साल में फंड ने 21.73% सालाना रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% रहा। इस फंड से जुड़ी कुछ कंपनियों की और अपेक्षाकृत विविध पोर्टफोलियो हैं। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती हेक्साकॉम, फेडरल बैंक, लॉरेस लैब्स और कोफोर्ज इसकी प्रमुख हिस्सेदारी में शामिल हैं। शीर्ष होल्डिंग का वजन भी बहुत ज्यादा नहीं है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 15.86 रही। शॉप अनुपात 0.33 और सॉर्टिनो अनुपात 0.62 रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि उपलब्ध तीन साल की अवधि में फंड ने जोखिम के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया।

2. एडेलवाइज़ मिड कैप फंड

एडेलवाइज़ मिड कैप फंड का इतिहास बाकी दोनों की तुलना में लंबा है। यह फंड दिसंबर 2007 में शुरू हुआ था और इसके पास अलग-अलग बाजार परिस्थितियों का उपेक्षाकृत लंबा रिकॉर्ड है। पांच साल में इसने 18.89% और सात साल में 25.40% सालाना रिटर्न दिया। इसी अवधि में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 16.52% और 22.68% रहा। तीन साल में फंड का रिटर्न 20.65% रहा, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% था। फंड का निवेश वित्तीय कंपनियों और बाजार से जुड़ी कुछ कंपनियों की और अपेक्षाकृत अधिक रहा है। इसके पोर्टफोलियो में एमसीएक्स, बीएसई, फेडरल बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसी कंपनियां शामिल हैं। यही सेक्टर झुकाव इसके प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.61 रही, जो इन तीनों में सबसे अधिक थी। शॉप अनुपात 0.30 और सॉर्टिनो अनुपात 0.56 रहा। इस फंड की एक महत्वपूर्ण बात इसका लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। हालांकि, निवेशकों को यह भी देखना चाहिए कि मौजूदा फंड मैनेजमेंट टीम के कार्यकाल और पूरे ऐतिहासिक प्रदर्शन में कितना अंतर है।

3. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड तीनों में सबसे पुराना है। अक्टूबर 1995 में शुरू हुआ यह फंड कई बाजार चक्रों से गुजर चुका है। इसके लंबे इतिहास में डाट-कॉम संकट, 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, टेपर वेट्टम, नोटबंदी, कोविड और मिडकैप में आई बड़ी गिरावट जैसे दौर शामिल हैं। एक साल में फंड ने 8.44%, तीन साल में 17.73%, पांच साल में 18.31% और सात साल में 24.11% सालाना रिटर्न दिया। संबंधित अवधि में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 7.19%, 14.92%, 16.52% और 22.68% रहा। इससे पता चलता है कि उपलब्ध सभी प्रमुख अवधियों में फंड का रिटर्न बेंचमार्क से ऊपर रहा। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.07 रही। शॉप अनुपात 0.27 और सॉर्टिनो अनुपात 0.51 रहा। फंड का आकार करीब 39,100 करोड़ रुपये बताया गया है, जो इन तीनों में सबसे बड़ा है। बड़ा आकार एक तरफ मजबूत निवेशक आधार को दर्शाता है, लेकिन मिडकैप क्षेत्र में बहुत बड़े फंड के लिए छोटी कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी बनाना अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। इसका प्रत्यक्ष योगदान व्यय अनुपात करीब 0.81% है।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

मिडकैप फंड में पिछले रिटर्न को देखकर निवेश करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस श्रेणी में शेयरों की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। इसलिए निवेशकों को कम से कम पांच बातों पर ध्यान देना चाहिए—फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का रिकॉर्ड, खर्च और अपने पोर्टफोलियो में मिडकैप का उचित हिस्सा। इसके अलावा फंड के आकार को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बहुत बड़े फंड के लिए छोटी और मझौली कंपनियों में पर्याप्त हिस्सेदारी बनाना मुश्किल हो सकता है, जबकि छोटे फंड में दूसरी तरह के जोखिम हो सकते हैं।

एसआईपी निवेशकों के लिए क्या समझना जरूरी

मिडकैप फंड को आम तौर पर लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से देखना चाहिए। बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी जारी रखने के लिए निवेशक में पर्याप्त जोखिम क्षमता होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, किसी फंड में पिछले तीन या पांच वर्षों में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा है, इसका अर्थ यह नहीं है कि अगले तीन या पांच वर्षों में भी ऐसा ही होगा। बाजार की परिस्थितियां, कंपनियों की कमाई, मूल्यांकन और फंड की निवेश रणनीति बदल सकती हैं। इसलिए निवेश का निर्णय केवल किसने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया के आधार पर नहीं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम क्षमता और पहले से मौजूद पोर्टफोलियो को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

फंड चुनते समय रिटर्न संग जोखिम पर ध्यान दें

व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड के आंकड़े उपलब्ध छोटी अवधि में मजबूत रहे हैं, एडेलवाइज़ मिड कैप के पास लंबा और मजबूत प्रदर्शन रिकॉर्ड है, जबकि निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप का इतिहास तीनों में सबसे लंबा है। तीनों की निवेश शैली, पोर्टफोलियो संरचना, फंड का आकार और लागत अलग-अलग हैं। इसलिए इन आंकड़ों को निवेश की गारंटी या भविष्य के रिटर्न का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप फंड चुनते समय रिटर्न के साथ जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो और निवेशकों की अपनी परिस्पति-वितरण रणनीति को भी समान महत्व देना जरूरी है।

स्मार्ट बीटा फंड : दिला सकता है बढ़िया मुनाफा, जोखिम भी ज्यादा नहीं कम लागत में बेहतर रणनीति से करें निवेश

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

न्यूउअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के सामने अब केवल पारंपरिक इंडेक्स फंड और सक्रिय रूप से संचालित फंड ही विकल्प नहीं हैं। स्मार्ट बीटा फंड भी निवेश की एक ऐसी रणनीति है, जो पैसिव निवेश की नियम-आधारित प्रक्रिया को अलग-अलग फैक्टर के आधार पर शेयर चुनने की रणनीति से जोड़ती है। इनका उद्देश्य बाजार के पारंपरिक इंडेक्स से अलग तरीके से निवेश करना और जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न हासिल करने की कोशिश करना होता है। हालांकि, स्मार्ट बीटा का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि फंड हर समय बाजार या सामान्य इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

साधारण इंडेक्स फंड किसी तय इंडेक्स की संरचना को दोहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी इंडेक्स में जिस कंपनी का जितना वजन है, फंड भी लगभग उसी अनुपात में उसमें निवेश करता है। स्मार्ट बीटा फंड इससे अलग तरीके से काम करते हैं। इनमें शेयरों का चयन और उनका वजन पहले से तय नियमों के आधार पर किया जाता है। यानी फंड मैनेजर की व्यक्तिगत पसंद के बजाय किसी निर्धारित रणनीति या फैक्टर को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि स्मार्ट बीटा को सक्रिय और निष्क्रिय निवेश के बीच की रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसमें सक्रिय फंड की तरह अलग-अलग विशेषताओं वाले शेयर चुने जाते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया नियम-आधारित होती है।

चार प्रमुख फैक्टर को समझें

- वैल्यू** : इस रणनीति में ऐसे शेयरों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें निर्धारित वित्तीय मानकों के आधार पर उनकी कीमत की तुलना में आकर्षक माना जाता है। इसका आधार मूल्यांकन से जुड़े आंकड़े हो सकते हैं।
- क्वालिटी** : इसमें मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों को प्राथमिकता देने की कोशिश होती है। लाभप्रदता, कर्ज, आय की स्थिरता और अन्य वित्तीय मानक इसके आधार हो सकते हैं।
- मोमेंटम** : इसमें हाल के समय में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों की चाल को महत्व दिया जाता है। रणनीति का आधार यह होता है कि कुछ शेयरों में बनी सकारात्मक या नकारात्मक गति कुछ समय तक जारी रह सकती है।
- लो वोलैटिलिटी** : इसमें अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव वाले शेयरों पर ध्यान दिया जाता है। इसका उद्देश्य पोर्टफोलियो में बाजार की तुलना में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने की कोशिश करना होता है।

कैसे अलग होता है पोर्टफोलियो
पारंपरिक बाजार पूंजीकरण आधारित इंडेक्स में बड़ी कंपनियों का वजन उनके बाजार मूल्य के आधार पर अधिक होता है। स्मार्ट बीटा रणनीति में ऐसा जरूरी नहीं है। मान लीजिए कोई फंड क्वालिटी फैक्टर पर आधारित है। तब वह बाजार पूंजीकरण की बजाय कंपनियों की वित्तीय गुणवत्ता से जुड़े मानकों के आधार पर शेयरों का चयन कर सकता है। इसी तरह मोमेंटम फंड में हाल की कीमत की चाल महत्वपूर्ण हो सकती है।



निवेशकों को क्या फायदे मिलेंगे

- नियम-आधारित निवेश : शेयरों के चयन के लिए पहले से निर्धारित नियम होते हैं। इससे निवेश प्रक्रिया अपेक्षाकृत व्यवस्थित और पारदर्शी रहती है।
- कम लागत की संभावना : सक्रिय रूप से संचालित फंड की तुलना में स्मार्ट बीटा फंड की लागत आम तौर पर कम हो सकती है, हालांकि हर फंड का वास्तविक खर्च अलग होता है।
- निवेश रणनीति का विकल्प : निवेशक वैल्यू, क्वालिटी, मोमेंटम या लो वोलैटिलिटी जैसे किसी खास फैक्टर पर आधारित रणनीति चुन सकते हैं।
- पोर्टफोलियो में विविधता : पारंपरिक इंडेक्स से अलग कंपनियों और अलग वजन वाली कंपनियों में निवेश होने के कारण यह निवेश पोर्टफोलियो में एक अलग रणनीतिक एक्सपोजर दे सकता है।

सेक्टर या शेयरों का झुकाव बढ़ेगा

फैक्टर आधारित निवेश का एक दूसरा जोखिम कंसंट्रेशन है। किसी खास नियम के कारण पोर्टफोलियो में कुछ सेक्टर या कंपनियों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। ऐसे में यदि उस सेक्टर या कंपनियों के समूह का प्रदर्शन कमजोर रहता है तो पूरे फंड के रिटर्न पर असर पड़ सकता है। इसलिए फंड की शीर्ष होल्डिंग, सेक्टर आवंटन और इंडेक्स की निर्माण पद्धति को समझना जरूरी है।

बार-बार रीबैलेंसिंग से बढ़ेगी लागत

कुछ स्मार्ट बीटा रणनीतियों में समय-समय पर पोर्टफोलियो को रीबैलेंस किया जाता है। यानी तय नियमों के अनुसार कुछ शेयरों का वजन बढ़ाया या घटाया जाता है और कुछ शेयरों को शामिल अथवा बाहर किया जाता है। मोमेंटम जैसी रणनीतियों में यह बदलाव अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। ज्यादा बदलाव का मतलब लेनदेन की लागत और पोर्टफोलियो में शेयरों के आने-जाने की दर बढ़ना हो सकता है। इसका असर फंड के वास्तविक रिटर्न पर पड़ सकता है।

सैलरी आते ही पैसा खत्म हो जाता है तो बदलें कुछ आदतें

▶▶ कमाई कितनी है, इससे ज्यादा जरूरी है उसका सही बंटवारा

▶▶ पहले बचत, फिर खर्च और निवेश का नियम अपनाएं

▶▶ महीने के आखिर में होने वाली पैसों की तंगी से बच सकेंगे



माह की शुरुआत में बनाएं बजट

सैलरी आने के बाद बिना योजना के खर्च शुरू करना बजट बिगाड़ने का सबसे आसान तरीका है। इसलिए महीने की शुरुआत में ही जरूरी खर्चों की सूची बनाएं। सबसे पहले किराया, ईंधन, बिजली-पानी, राशन, स्कूल फीस, बीमा प्रीमियम और दूसरी अनिवार्य जरूरतों के लिए रकम अलग करें। इसके बाद यात्रा, खरीदारी, मनोरंजन और बाहर खाने जैसे खर्चों के लिए सीमा तय करें। बजट का मतलब हर खर्च रोकना नहीं है। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि किस मद में कितना पैसा खर्च किया जा सकता है। यदि महीने की शुरुआत में ही 50,000 की आय में से 25,000 जरूरी खर्चों के लिए निधारित हैं और 10,000 रुपये बचत या निवेश के लिए अलग कर दिए गए हैं, तो बाकी 15,000 ही वैकल्पिक खर्चों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे महीने के बीच में पैसा खत्म होने की संभावना कम होगी।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें

बजट अवसर किसी एक बड़े खर्च से नहीं, बल्कि कई छोटे खर्चों से बिगड़ता है। रोज की कॉफी, ऑनलाइन खाना, कैश, छोटी-मोटी खरीदारी, मनोरंजन और ऐसे डिजिटल सब्सक्रिप्शन जिनका इस्तेमाल बहुत कम होता है इनकी कुल रकम महीने के अंत में काफी बड़ी हो सकती है। इसलिए कम से कम एक महीने तक हर खर्च लिखने की आदत डालें। मोबाइल के नोट्स, डायरी या किसी खर्च ट्रैकिंग ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है। महीने के अंत में खर्चों को तीन हिस्सों में बांटे। जरूरी, उपयोगी और गैर-जरूरी। इसके बाद देखें कि किन खर्चों को कम किया जा सकता है। मान लीजिए रोजाना 100 का छोटा खर्च हो रहा है। महीने में यह करीब 3,000 और सालभर में करीब 36,500 हो सकता है।

इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता

बजट और बचत के साथ आपातकालीन कोष यानी इमरजेंसी फंड भी जरूरी है। अचानक नौकरी में रुकावट, घर से जुड़ी जरूरत, वाहन की मरम्मत या कोई अप्रत्याशित खर्च आने पर अगर अलग पैसा नहीं है तो व्यक्ति को निवेश तोड़ना पड़ सकता है या क्रेडिट कार्ड और कर्ज पर निर्भर होना पड़ सकता है। इमरजेंसी फंड का उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत के समय पैसा उपलब्ध रखना है। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से निकाली जा सके।

निवेश को आदत बनाएं

सिर्फ पैसा बचाकर रखना पर्याप्त नहीं है। लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए बचत के साथ निवेश भी जरूरी हो सकता है। निवेश का विकल्प चुनते समय लक्ष्य, अवधि और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए। नियमित निवेश के लिए एसआईपी एक तरीका हो सकता है। इसमें हर महीने एक तय रकम न्यूउअल फंड योजना में निवेश की जाती है। हालांकि, न्यूउअल फंड बाजार जोखिम के अधीन होते हैं और रिटर्न की गारंटी नहीं होती।



सैलरी का आसान बंटवारा करें

- **जरूरी खर्च** : घर, राशन, बिजली, ईंधन,आई और दूसरी अनिवार्य जरूरतें।
- **बचत** : भविष्य की जरूरतों और बड़े खर्चों के लिए।
- **निवेश** : लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए।
- **वैकल्पिक खर्च** : घूमना, मनोरंजन, खरीदारी और दूसरी इच्छाओं पर खर्च।
- इस बंटवारे को अपनी वास्तविक आय और जिम्मेदारियों के अनुसार बदला जा सकता है।

क्रेडिट कार्ड और ईएमआई पर भी रखें नजर

अगर हर महीने सैलरी का बड़ा हिस्सा पुरानी ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में चला जाता है तो बचत और निवेश के लिए रकम निकालना मुश्किल होगा। इसलिए नए कर्ज लेने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसकी मासिक किस्त बजट पर कितना दबाव डालेगी। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन ऐसा खर्च नहीं करना चाहिए जिसे समय पर चुकाना मुश्किल हो। ब्याज और लेट फीस जैसी लागत छोटे खर्च को भी महंगा बना सकती है।

सिर्फ हर महीने निवेश करना काफी नहीं, सही फंड का चयन और लंबी अवधि तक अनुशासन भी जरूरी

एसआईपी से उम्मीद के मुताबिक नहीं बन रहा पैसा, तो कुछ गलतियों से बचें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी आज छोटे और बड़े निवेशकों के बीच लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का लोकप्रिय माध्यम बन चुकी है। हर महीने तय राशि निवेश करने की सुविधा के कारण नौकरीपेशा और सीमित आय वाले लोग भी धीरे-धीरे बड़ा कोष तैयार करने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन कई निवेशकों की शिकायत रहती है कि वर्षों तक एसआईपी चयनने के बाद भी पैसा उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रहा। ऐसे में वे अक्सर फंड, बाजार या फंड प्रबंधक को जिम्मेदार मान लेते हैं। असल में एसआईपी कोई ऐसा निवेश उत्पाद नहीं है, जो निश्चित या गारंटीशुद्ध रिटर्न देता हो। यह केवल नियमित अंतराल पर निवेश करने का तरीका है। निवेश का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि हर महीने कितनी राशि लगाई जा रही है, किस प्रकार के न्यूउअल फंड का चयन किया गया है, निवेश का लक्ष्य और अवधि क्या है, बाजार की स्थिति कैसी है और निवेशक किसने समझ तक लगातार निवेश बनाए रखा है। यदि एसआईपी उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं दे रही है तो बाहर निकलने से पहले निवेशक को अपनी रणनीति की इन पांच महत्वपूर्ण कमियों की जांच करनी चाहिए।

लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम

है एसआईपी की राशि

एसआईपी में सबसे आम गलती यह होती है कि निवेशक पहले यह तय करता है कि वह हर महीने कितनी रकम आसानी से बचा सकता है, लेकिन यह नहीं देखता कि उसके वित्तीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए वास्तव में कितने निवेश की जरूरत हैं। 2,000 या 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश की अच्छी शुरुआत हो सकती है, लेकिन हर लक्ष्य के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं होती। मसलन, यदि कोई व्यक्ति पांच साल में 50 लाख या एक करोड़ रुपये का कोष बनाना चाहता है, तो केवल 5,000 रुपये मासिक निवेश से लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इसलिए निवेश की शुरुआत करते समय साल केवल यह नहीं होना चाहिए कि हर महीने कितना निवेश कर सकता हूँ, बल्कि यह होना चाहिए कि अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितना निवेश करना जरूरी है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक पांच साल तक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मान लिया जाए, तो उसके पास करीब 4.1 लाख रुपये का कोष बन सकता है। यदि उसका लक्ष्य पांच लाख रुपये है तो वह लगभग 90 हजार रुपये पीछे रह जाएगा। इसी अनुमानित रिटर्न और औसत में पांच लाख रुपये के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए करीब 6,100 रुपये मासिक निवेश की जरूरत पड़ सकती है। आब बढ़ने के साथ एसआईपी की रकम बढ़ानी भी जरूरी है।

लक्ष्य और अवधि के हिसाब

से गलत फंड चुनना

हर न्यूउअल फंड हर निवेशक और हर लक्ष्य के लिए उपयुक्त नहीं होता। फंड चुनते समय केवल ज्यादा रिटर्न देखने के बजाय निवेश की अवधि, लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उदाहरण के लिए, तीन साल बाद घर खरीदने के लिए पैसा जुटा रहे निवेशक और 20 साल बाद सेवानिवृत्ति के लिए निवेश करने वाले व्यक्ति की रणनीति एक जैसी नहीं हो सकती। लंबी अवधि वाले निवेशक अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव सहन कर सकते हैं, जबकि कम अवधि के लक्ष्य के लिए बहुत अधिक जोखिम वाले इन्विट्टी फंड परेशानी पैदा कर सकते हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में ज्यादा निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर वृद्धि की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक हो सकता है।

पिछले शानदार रिटर्न के पीछे भागना

कई निवेशक ऐसे न्यूउअल फंड चुन लेते हैं, जिन्होंने पिछले एक, तीन या पांच साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया हो। लेकिन किसी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। आज सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड आने वाले वर्षों में भी शीर्ष पर रहेगा, यह जरूरी नहीं है। इसी तरह कुछ समय के लिए कमजोर प्रदर्शन करने वाला फंड भी हर स्थिति में खराब निवेश साबित नहीं होता। बाजार के अलग-अलग दौर में विभिन्न फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। निवेशकों को किसी फंड का चयन करते समय यह देखना चाहिए कि उसका प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में कितना स्थिर रहा है।

बाजार को समय देने के बजाय बाजार का समय पकड़ने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत नियमित निवेश और अनुशासन है। इसके बावजूद कई निवेशक बाजार बढ़ने पर उत्साह से निवेश करते हैं, लेकिन बाजार गिरे तो एसआईपी रोक देते हैं। उन्हें लगता है कि बाजार और नीचे आने पर दोबारा निवेश शुरू करेंगे। समस्या यह है कि बाजार का सबसे निचला स्तर और सबसे ऊंचा स्तर पहले से तय करना बेहद मुश्किल है। कब बाजार गिरेगा और कब तेजी से ऊपर जाएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं है। नियमित एसआईपी में बाजार की अलग-अलग स्थितियों में निवेश जारी रहता है।

क्या करें निवेशक

यदि आपको एसआईपी उम्मीद के मुताबिक आने नहीं बढ़ रही है तो सबसे पहले घबराकर निवेश बंद करने या फंड बेचने की जरूरत नहीं है। अपनी पूरी निवेश योजना की समीक्षा करें। देखें कि एसआईपी की राशि लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं, फंड आपकी निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से सही है या नहीं और कहीं आप बार-बार बाजार के उतार-चढ़ाव के आधार पर निवेश के फैसले तो नहीं बदल

बहुत जल्दी बड़े रिटर्न की उम्मीद करना

एसआईपी को कुछ लोग जल्दी पैसा बनाने का साधन समझ लेते हैं, जबकि यह मुख्य रूप से लंबी अवधि में अनुशासित निवेश की रणनीति है। शुरुआती वर्षों में कोष की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी दिखाई दे सकती है, क्योंकि निवेशित राशि अभी बहुत बड़ी नहीं होती। समय के साथ नियमित निवेश जारी रहने पर कुल निवेश राशि बढ़ती है और यदि निवेश को बढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है तो चक्रवृद्धि का प्रभाव भी अधिक दिखाई दे सकता है। निवेश से होने वाली संभावित कमाई यदि निवेश में बनी रहती है, तो वह भी आगे रिटर्न पैदा करने में योगदान दे सकती है।

रहे। जरूरत पड़ने पर एसआईपी की रकम बढ़ाई जा सकती है, फंड चयन की समीक्षा की जा सकती है और अलग-अलग निवेश माध्यमों में राशि के बंटवारे पर भी विचार किया जा सकता है। कोई एक ऐसा जादूई फंड नहीं है, जो हर समय सबसे बेहतर रिटर्न दे। बेहतर रणनीति वही है, जो आपके लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुरूप हो और जिसे आप लंबे समय तक अनुशासन के साथ जारी रख सकें।

ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए भारत ने बहुधुवीय विश्व व्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता की अपनी सोच को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है। इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका और भारत के बीच बढ़ता व्यापारिक तनाव अब केवल टैरिफ की लड़ाई नहीं रह गया है, बल्कि यह ऊर्जा सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक हितों से भी जुड़ गया है। रूस और ईरान से तेल खरीदने वाले देशों पर कड़े दंडात्मक शुल्क लगाने की अमेरिकी पहल ने भारत के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। भारत के लिए रूस से कच्चा तेल महज व्यापार का विषय नहीं, बल्कि बड़ी आबादी की ऊर्जा जरूरतों और घरेलू महंगाई से जुड़ा सवाल है। दूसरी ओर अमेरिका भारत का प्रमुख निर्यात बाजार है, इसलिए ऊंचे अमेरिकी टैरिफ का असर वस्त्र, इंजीनियरिंग, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य निर्यात क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी बीच डेढ़ साल से लंबित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता निर्णायक मोड़ पर है। अमेरिका बाजार पहुंच और कृषि उत्पादों समेत रूस से तेल खरीद जैसे मुद्दों पर दबाव चाहता है, जबकि भारत किसानों, एमएसएमई और निर्यातकों के हितों के साथ स्थिर एवं प्रतिस्पर्धी टैरिफ व्यवस्था चाहता है। ऐसे समय में भारत के सामने चुनौती ब्रिक्स के जरिए वैश्विक संतुलन साधने के साथ अमेरिका से आर्थिक रिश्ते बनाए रखने की भी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

नई विश्व व्यवस्था की धुरी बनता ब्रिक्स



विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

वरिष्ठ स्तंभकार

ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए भारत ने बदलती वैश्विक व्यवस्था में अपनी कूटनीतिक भूमिका को मजबूती से रेखांकित किया है। अमेरिका-चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों, भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव और चीन के साथ सीमा विवाद के बीच नई विश्व व्यवस्था का सवाल बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने ब्रिक्स को किसी देश विरोधी मंच में बदलने के बजाय समावेशी, व्यापपूर्ण और बहुधुवीय वैश्विक व्यवस्था की परेवी की। अलग-अलग मत रखने वाले देशों को एक मंच पर लाना भी भारत की कूटनीतिक क्षमता का संकेत है। अब चुनौती यह है कि भारत रूस के साथ पुराने रिश्तों, अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों और चीन के साथ जटिल समीकरणों के बीच संतुलन कायम रखते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रगावी बनाए।

यक्ष प्रश्न है कि ब्रिक्स आने वाले दौर में एक अमेरिकी विरोधी मंच के तौर पर क्या एक मोर्चे का आकर ग्रहण कर सकता है? एक और जटिल प्रश्न है कि क्या भारत की खाहिश के अनुसार आगामी भविष्य में बहुधुवीय विश्व और नई विश्व व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा? दुनिया के समक्ष उपस्थित इन सवालों पर अत्यधिक चर्चा ब्रिक्स सम्मेलन 2026 में की गई। भारत की यात्रा के तत्पश्चात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 24 सितंबर से अमेरिका की कूटनीतिक यात्रा प्रारंभ करने वाले हैं। दो धुवीय विश्व को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए क्या अमेरिका और चीन एकजुट हो रहे हैं? ताड़वान पर होने वाले संभावित सैन्य संघर्ष को दृष्टि में रखते हुए अमेरिका और चीन की दोस्ती कदाचित संभव नहीं है। निश्चित तौर पर अमेरिका द्वारा चीन के प्रति व्यापारिक उदारता का परिचय दिया जा रहा है और भारत के प्रति अत्यंत कठोरता का। ब्रिक्स का एक प्रमुख देश होने के बावजूद चीन ने भारत के प्रति अपनी विस्तारवादी नीति का कदाचित परित्याग नहीं किया है। भारत को चीन और अमेरिका के गठजोड़ के प्रति अत्यंत सतर्क रहना होगा और अमेरिकन कूटनीतिक और प्रबल आर्थिक दबावों का प्रतिरोध करते हुए, रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक दोस्ती और आर्थिक रिश्तों को और अधिक प्रगाढ़ बनाना होगा। ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करते हुए भारत को विभिन्न देशों में अपने लिए बाजार तलाशने होंगे। भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में ईरान के प्रति अपनी बदलती हुई कूटनीति और रणनीति का परिचय दिया है। ईरान के चाबहार बंदरगाह पर अमेरिका द्वारा जबर्दस्त बमबारी की गई थी। जबकि भारत ने चाबहार बंदरगाह के निर्माण में बहुत बड़ा आर्थिक निवेश अंजाम दिया है। अमेरिकी बांधक प्रतिबंधों के कारण भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया था। संभवतः भारत अपनी इस गलती में सुधार करेगा और ईरान से अपने आर्थिक रिश्तों को अत्यंत शक्तिशाली बनाएगा अमेरिकन के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने रूस पर अत्यंत कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयाद करने वाला एक बिल बहुमत से पारित कर दिया है।

ताकतवर लीडर एक मंच पर

वर्ष 2026 ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन और भारत के अध्यक्षता में अत्यंत कामयाबी के साथ संपन्न हो तो गया। ब्रिक्स आजीवन में अध्यक्षता करते हुए भारत की सबसे बड़ी कामयाबी रही कि उसने दुनिया की कुछ अत्यंत ताकतवर लीडरों को दिल्ली में एक विशाल गोलमेज पर इकट्ठा कर दिखाया। चीन के राष्ट्रपति शिन जिंपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सीरियल रामाफोसा आदि। उल्लेखनीय है कि चीन के राष्ट्रपति शी तकर्रीबन सात वर्ष पश्चात भारत पहुंचे। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में शिरकात करने आए अनेक राष्ट्रों के मध्य सैन्य टकरावों और सीमा विवादों का कड़ुता पूर्ण इतिहास रहा है। भारत और चीन के मध्य सैन्य टकराव और सीमा विवाद का दशकों पुराना इतिहास रहा है। ईरान और यूएई जंग के मैदान में आमने-सामने खड़े रहे। सऊदी अरब पर ईरान ने मिसाइलें दागीं। इन तमाम परस्पर विरोधी देशों के लीडरों को ब्रिक्स सम्मेलन में आमने-सामने एक गोल मेज पर बैठाने के लिए भारत को कठिन कूटनीतिक प्रयास करने पड़े।



भारत ने कूटनीतिक संतुलन बरकरार रखा

यह बिल ट्रंप प्रशासन को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले बड़े खरीददार देशों पर सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है। जिन देशों पर यह टैरिफ लागू किया जाना है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। क्योंकि भारत भी रूस से बड़े पैमाने पर तेल का आयात करता रहा है। भारत के साथ ही चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे अनेक देश भी अमेरिका के सौ प्रतिशत टैरिफ आयाद करने के निशाने पर आ सकते हैं। यह बिल पहले ही भारी बहुमत से अमेरिकन सेंनेट में पारित किया जा चुका है। अब इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा जाना है, जो कि निश्चित रूप से यथाशीघ्र एक एक्ट का प्रारूप धारण कर लेगा। अमेरिका वैश्विक तटन पर ब्रिक्स मंच पर

विद्यमान अपने सबसे घनिष्ठ दोस्त भारत को आधिकार दुश्मन बनने पर क्यों तुला हुआ है। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने अपना बहुआयामी कूटनीतिक संतुलन बाकायदा बरकरार बनाए रखा और सम्मेलन के रूख को अमेरिका विरोधी नहीं होने दिया। सौ प्रतिशत टैरिफ आयाद करने का बिल उस वक्त पारित किया गया है, जबकि भारत और अमेरिका के मध्य एक शुरुआती व्यापारिक समझौते पर बातचीत अंतिम दौर में है। अमेरिका वस्तुतः रूस के साथ ही साथ भारत को भी अपने आर्थिक प्रतिबंधों द्वारा निशाने पर लेने पर आमादा हो गया है। भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ आरोपित करने से भारतीय निर्यातकों को जबर्दस्त नुकसान पहुंचेगा।

जटिल प्रश्न पर सहमति

ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में यह भी भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। यह तथ्य भारत के बहुआयामी कूटनीतिक दृष्टिकोण को भी दर्शाता है कि ब्रिक्स सम्मेलन में शिरकात करने आए देशों को ईरान युद्ध के बाद अपने परस्पर रिश्तों पर फिर से विचार करने का शानदार अवसर प्रदान किया गया। ईरान के राष्ट्रपति पेजेशिकयान और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ने साथ बैठकर ब्रिक्स सम्मेलन में कूटनीतिक बातचीत को प्रारंभ किया है। नई वैश्विक व्यवस्था की संरचना कैसी होनी चाहिए इस जटिल प्रश्न पर ब्रिक्स देशों के मध्य पूर्ण सहमति बनाने में भारत को कामयाब हो गया। एक समावेशी व्यापपूर्ण और विषयपक्ष विश्व व्यवस्था का निर्माण करने का संकल्प दोहराया गया। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में कुछ मुख्य मुद्दक चाहते थे ब्रिक्स मंच एक अमेरिका विरोधी मंच के तौर पर निर्मित हो जाए। लेकिन भारत की अध्यक्षता में ऐसा कदाचित संभव नहीं हो सका। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 सर्वसम्मति से संयुक्त घोषणा पत्र को जारी करने में कामयाब रहा। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन से पूर्व ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों को दो दफा बैठक हुई थी, जो कि संयुक्त बयान जारी करने में नाकाम सिद्ध हुई थी। ब्रिक्स सम्मेलन के संयुक्त घोषणा पत्र में फलस्वरूपियों के जबरन विस्थापन के किसी भी कदम पर कल अत्यंत कड़ा विरोध प्रकट किया गया है।

एकतरफा प्रतिबंधों की मर्त्सना

वैश्विक व्यापार को लेकर भी ब्रिक्स घोषणा पत्र में गंभीर चिंता प्रकट की गई। अत्यंत मनमाने ढंग से टैरिफ आरोपित करने के प्रति अपनी गहन चिंता का इजहार किया गया। एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों की घनघोर मर्त्सना की गई और अमेरिका का नाम तक लेने से भी बाकायदा परहेज किया गया। शायद इसलिए कि वाशिंगटन की नाराजगी से शायद बचा जा सके। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 के संयुक्त घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध का कोई उल्लेख नहीं किया गया। हालांकि विश्व मंच पर प्रारानमंजी नरेंद्र मोदी अनेक दफा दोहरा चुके हैं कि यह युग युद्धों का युग कदाचित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र, और अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की पैरवी की गई। ब्रिक्स ने भारत और बाजील की सुरक्षा परिषद में स्थान प्रदान की पैरवी की। आतंकवाद के हर पहलू को खत्म करने का संकल्प दोहराया। वैश्विक कूटनीति की बात करते तो दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए भारत वस्तुतः विश्व शक्तियों के मध्य संतुलन स्थापित करने की कोशिश में जुटा हुआ है। अभी कहां नहीं जा सकता कि तीसरे विश्व युद्ध के कगार खड़ी दुनिया को भारत बचा पाएगा अथवा नहीं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता क्यों अटका



रिश्ते

विवेक शुक्ला

स्वतंत्र पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता पिछले डेढ़ साल से चर्चा में है, लेकिन अभी तक उस पर अंतिम मुहर नहीं लगी है। दोनों देश बार-बार कहते हैं कि बातचीत आगे बढ़ रही है, फिर भी समझौता अग्र में लटकता रहता है। सवाल यही है कि नई परिस्थितियों में दबाव बढ़ेगा या अमेरिका टैरिफ की धमकी से अपनी शर्तें थोपने की कोशिश करेगा। सबसे पहले बात साफ कर लेनी चाहिए। फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा था। उस समय द्विपक्षीय व्यापार करीब 191 अरब डॉलर था। आज यह आंकड़ा लगभग 240 अरब डॉलर के आसपास बताया जाता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और भारत के कुल माल निर्यात का करीब पांचवां हिस्सा वहीं जाता है। इसलिए यह समझौता सिर्फ कागजी नहीं, बल्कि वस्त्र, रसायन, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और फार्मा जैसे क्षेत्रों की लाखों नौकरियों से जुड़ा विषय है। 2025 में तनाव बढ़ा। अमेरिका ने "पारस्परिक टैरिफ" लगाया और रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर अतिरिक्त जुर्माना भी चढ़ा दिया। कुछ वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच गया। भारतीय निर्यातकों के लिए यह बड़ा झटका था। छोटे और मझोले उद्यमों में वंडित नहीं हुए। फरवरी 2026 में मोदी-ट्रंप बातचीत के बाद माहौल कुछ नरम पड़ा। अमेरिका ने पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की बात कही और रूस-तेल से जुड़ा अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का ऐलान किया। भारत की ओर से अमेरिकी औद्योगिक सामान और कई कृषि उत्पादों -जैसे पशु आहार, मेवे, फल, सोयाबीन तेल, वाइन



भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर डेढ़ साल से जारी बातचीत अब निर्णायक मोड़ पर है। टैरिफ, रूस से तेल खरीद, कृषि और बाजार पहुंच जैसे मुद्दे दोनों देशों के बीच अड़चन बने हैं। अमेरिका दबाव बढ़ा रहा है, जबकि भारत अपने किसानों, निर्यातकों और घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा चाहता है।

कम-से-कम बराबरी का टैरिफ फायदा चाहिए। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का रुख साफ है कि जब तक अमेरिका भारत को प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले तरजीही दर नहीं देता, तब तक अंतिम विवरण घोषित नहीं होगा। भारत सरकार ने कहा है कि उसने अमेरिका को पहले ही बता दिया है कि ऐसे कदम ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक बाजार और द्विपक्षीय रिश्तों पर असर डाल सकते हैं। क्या अमेरिका टैरिफ का डर दिखाकर अपनी मर्जी थोपेगा? अनुभव बताता है कि टैरिफ ट्रंप प्रशासन की पसंदीदा रणनीति रही है। 2025 में 50 प्रतिशत तक शुल्क चढ़ाने के बाद ही फरवरी 2026 की

रूपरेखा बनी। यानी दबाव काम करता है। लेकिन भारत भी अब वैसा कमजोर पक्ष नहीं रहा। उसने ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस जैसे देशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। न्यूजीलैंड समझौता अक्टूबर के आसपास लागू हो सकता है। और यूरोपीय संघ से बात आगे बढ़ रही है। घरेलू बाजार बढ़ा है, ऊर्जा जरूरतें गंभीर हैं और किसान-डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर सरकार समझौता नहीं करना चाहती। कृषि मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि किसानों के हितों पर कोई समझौता नहीं होगा। इसलिए दबाव दोनों तरफ से बढ़ सकता



अमेरिका-कनाडा विवाद

योगेश कुमार सीनी

स्वतंत्र पत्रकार

बनते-बिगड़ते विश्व की तस्वीर में जब सत्ता का पैमाना बढ़ जाता है तो कहीं कुछ किसी को फायदा होता है तो किसी को नुकसान, लेकिन कन कहानी वर्चस्व की आ जाए तो सिक्के का एक ही पहलू नजर आता है और वह है सम्पान। समस्या यह है कि अमेरिका और कनाडा दोनों ही अपने आप सम्पन्न देशों में आते हैं, लेकिन दोनों को यह भी समझना होगा कि विश्वपटल पर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सबका साथ चाहिए होता है, जिसके लिए बहुत समझौते करने होते हैं। बहरहाल यदि भारत के परिवेश में ऐसी स्थिति बनती है तो इसके सकारात्मक व नकारात्मक दोनों तरह के पहलू सामने आ सकते हैं। भारत की सौदेबाजी की ताकत बढ़ सकती है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। इसलिए यदि भारत ही चुनिंदा अमेरिकी वस्तुओं पर जवाबी शुल्क लगाए, तो अमेरिकी कंपनियों और सरकार पर भी आर्थिक दबाव पड़ेगा। इससे व्यापार वार्ता में भारत के पास एक अतिरिक्त समझौता उपकरण हो सकता है। घरेलू उद्योग को संरक्षण मिल सकता है। अमेरिकी सामान महंगे होने पर कुछ भारतीय निर्माता अपने बाजार का हिस्सा बढ़ा सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां भारत के पास पहले से पर्याप्त उत्पादन क्षमता है। व्यापार का विविधीकरण तेज हो सकता है। भारत यूरोप, कनाडा, एएसईएन, खाड़ी और अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए मजबूर होगा, लेकिन नुकसान ज्यादा व्यापक हो सकते हैं। भारतीय निर्यातकों को सीधा नुकसान हो सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। अप्रैल-अगस्त 2026 में भारत का अमेरिका को वस्तु निर्यात लगभग 43 अरब रहा। और अगस्त में ही अमेरिका को भारतीय वस्तुओं का निर्यात लगभग 21% बढ़कर 8.3 अरब डॉलर पहुंचा। इसका मतलब है कि मौजूदा समय में अमेरिकी बाजार भारतीय निर्यात के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

है। अगर भारत व्यापक व्यापार युद्ध शुरू करता है और अमेरिका भी जवाब में भारतीय उत्पादों पर भारी शुल्क लगाता है, तो कपड़ा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, आभूषण और अन्य निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकते हैं। रोजगार पर असर पड़ सकता है। निर्यात घटने का असर केवल बड़ी कंपनियों पर नहीं पड़ेगा। श्रम-प्रधान उद्योगों और उनसे जुड़े छोटे कारोबारों पर भी असर पड़ सकता है।भारत के लिए अमेरिकी आयात भी महंगे होंगे।अमेरिका से आने वाली मशीनरी, तकनीकी उपकरण,



अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच भारत के सामने अवसर और चुनौतियां दोनों हैं। जवाबी शुल्क से सौदेबाजी की ताकत और घरेलू उद्योग को संरक्षण मिल सकता है, लेकिन निर्यात, रोजगार, आयात लागत और ऊर्जा सुरक्षा पर दबाव बढ़ने का जोखिम भी है।

औद्योगिक सामग्री और दूसरे उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने का अर्थ भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ना भी हो सकता है।अमेरिकी व्यापार आंकड़ों के अनुसार जनवरी-जुलाई 2026 में अमेरिका ने भारत से लगभग 60 अरब की वस्तुएं आयात कीं, जबकि भारत को 30.44 अरब डॉलर की अमेरिकी वस्तुएं निर्यात कीं। यानी दोनों देशों का व्यापार काफी बड़ा है और दोनों पक्षों को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि वर्तमान विवाद केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है। अमेरिका में ऐसा विधेयक आगे बढ़ा है जिसमें रूस से महत्वपूर्ण मात्रा में तेल

व्यापारिक संबंध काफी व्यापक हैं। ऑटोरियो कनाडा के ऑटो मैयूफैक्चरिंग इंडस्ट्री का केंद्र है।उन्होंने साल 2025 में कुछ समय के लिए अमेरिका को होने वाले सभी बिजली निर्यात पर 25% सरचार्ज लगाने का प्रस्ताव रखा था जिसके बारे में उनकी सरकार का अनुमान था कि इससे मिशिगन, मिनेसोटा और न्यूयॉर्क में 15 लाख घरों और व्यवसायों पर असर पड़ेगा।कनाडा पोटाश सहित कई अहम चीजों का प्रमुख स्रोत भी है।पोटाश एक ऐसा उत्पाद है जिसका उपयोग उर्वरक में किया जाता है और जिसके लिए कनाडा दुनिया का शीर्ष आपूर्तिकर्ता है।

अगर अमेरिका ने 100% का टैरिफ थोप दिया तो !



सूत्र

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से 'सैंचशनिंग रशा एंड ईरान एक्ट' के पारित होने को लेकर देश में आशंकाओं के बादलों का उठना स्वाभाविक है। आज जिस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकर्रीबन पूरी दुनिया ने अपना रखा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को आखें टेढ़ी हुईं तो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी सोच का ही असर है कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद भारत के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की नजर में भारतीय विदेश नीति नाकाम नजर आने लगी है। संवैधानिक रूप से भारतीय वामपंथी इकोसिस्टम अमेरिका का हर पल खुला विरोध करता है, लेकिन उसे भी अमेरिकी टैरिफ कानून भारतीय हित के खिलाफ नजर आ रहा है। इन सबके बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया संतुलित और सधी हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत अपनी 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दृढ़ है। जाहिर है, भारत को झुकाने की सोच रखने वाले ट्रंप प्रशासन को ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं रही होगी। ऐसे में अमेरिका के अगले कदम पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी हो जाता है।

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस-यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी-भरकम जनसंख्या के लिए किफायती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। वैसे जब से ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभाला है, अपने ऊल-जलूल फैसलों के लिए ही वे जाने गए हैं। यह पहला मौका नहीं है कि उन्होंने इस कानून के जरिए भारत को दबाने की कोशिश की है। बीते साल एक अगस्त 2025 से उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। जिससे उनके ही बाजार में भारतीय वस्तुएं और सामान महंगे होने लगे थे। तब चालाकी दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन ने फार्मास्यूटिकल्स को इस टैरिफ से अलग रखा था। इसकी वजह यह है कि भारत से अमेरिका आने वाली दवाएं सस्ती पड़ती हैं। भारतीय रत्न और आभूषणों पर टैरिफ लगाने का बहुत असर नहीं पड़ा था। क्योंकि रत्न और आभूषण स्वभाव से ही महंगे होते हैं और उन्हें खरीदने वाले लोगों के लिए इनकी महंगाई महाने नहीं रहती। पश्चिमी एशिया का हालिया संकट अमेरिका की ही देन है। जब से यह संकट बढ़ा है, भारत ने रूस से तेल की खरीददारी बढ़ा दी है। यह भारत की मजबूरी भी है। बीती जुलाई में भारत ने अपने कुल तेल आयात का 51.4 प्रतिशत तेल अकेले रूस से खरीदा था। रूस से तेल खरीदने का भारतीय मकसद मौजूदा हालात में अपने लिए किफायती दरों पर तेल हासिल करना है। भारत का यह अहंकार है और मौजूदा हालात में अगर भारत झुकता है तो इसे भारतीय नगरिक शायद ही पसंद करेगा। भारत की तुलना में चीन ना सिर्फ रूस, बल्कि ईरान से भी भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है। जानने की बात है कि भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों में टेक्सटाइल्स, रत्न और आभूषण, आटोमोबाइल और इंजीनियरिंग उत्पाद ज्यादा हैं। टैरिफ अगर बढ़ेगा तो अमेरिकी बाजार में इनकी कीमतें महंगी होंगी, जिससे उनकी मांग घट सकती है। इससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है। कुछ जानकारी को लगता है कि इससे रूस से जारी तेल खरीद से मिल रही अरबों रूपए की राहत खटई में पड़ सकती है। बैशक अमेरिका भारत का बड़ा कारोबारी साझेदार है। लेकिन मोदी के 2024 में सत्ता में आने के बाद से अब तक करीब चालीस देशों से मुक्त व्यापार समझौता किए जा चुके हैं। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ से भी ऐसा समझौता किया है। भारत का मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड आदि से मुक्त व्यापार समझौते या व्यापक आर्थिक साझेदारी का समझौता कर चुका है। भारत सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपने कारोबारी नेटवर्क का विस्तार करते हुए भी बड़े मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ यानी ईएफटीए में ऑइएसलैंड, लिक्टेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। इसी तरह भारत ने आसियान देशों, जापान, दक्षिण कोरिया और सांपटा के सदस्य देशों के साथ पारंपरिक कारोबारी समझौता कर चुका है। अगर अमेरिका भारत पर टैरिफ थोपावे है तो देश को चाहिए कि इन देशों के जरिए कारोबार को बढ़ावा दे। वैसे भी टैरिफ थोपने की दशा में भारतीय कारोबारी दूसरे देशों के जरिए अमेरिका में अपना माल भेज सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार भी ऐसी राह तलाशने की कोशिश में जुटी होगी। फिर भारतीय औद्यव्यवस्था भी पहले जैसी नहीं रही, इसलिए हताश और चिंतित होने की जरूरत नहीं है, भारत को अमेरिकी बाजार में घुसने के लिए वैकल्पिक राहों की तलाश तेज करनी होगी।

अमेरिकी संसद से रूस और ईरान पर कड़े प्रतिबंधों वाला कानून पारित होने के बाद भारत की ऊर्जा सुरक्षा और निर्यात को लेकर चिंता बढ़ी है। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और ऊर्जा जरूरतों से समझौता नहीं करेगा।

ट्राइबल हीलर्स अब बनेंगे पारम्परिक ज्ञान के ‘मास्टर ट्रेनर्स’

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनजातीय समुदाय पुराकाल से हमारी सांस्कृतिक विरासत के संवाहक रहे हैं। इनके पास प्राकृतिक और औषधीय वनस्पतियों से जुड़ा अमूल्य देशज ज्ञान भी है। इस ज्ञान का संरक्षण, संवर्धन और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के पास प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का सदियों पुराना अनुभव और ज्ञान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस अमूल्य ज्ञान-सम्पदा को संरक्षित करना जनजातीय समाज के हित साधन के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में भी

जनजातीय वैद्यों के जड़ी-बूटियों, वन एवं लोकज्ञान का दस्तावेजीकरण कराएगी सरकार

टीआरआई को मिली जिम्मेदारी, मध्यप्रदेश से 640 ट्राइबल हीलर्स बनेंगे ‘मास्टर ट्रेनर्स’

विशेष प्रशिक्षण दिलाने की एक देशव्यापी पहल शुरू

मध्यप्रदेश की तैयारी

एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी कोशिश है कि प्रदेश के जनजातीय बंधुओं के पास उपलब्ध औषधीय पौधों, खेती-किसानी, वन एवं लोकज्ञान की गूढ़ जानकारीयों व अब मौखिक परम्पराओं तक ही सीमित न रहें, बल्कि इनका वैज्ञानिक तरीके से दस्तावेजीकरण हो, ताकि यह ज्ञान अगली पीढ़ी तक भी पहुंचे। हम जनजातियों की देशज ज्ञान-सम्पदा को वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित और दस्तावेजीकृत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं।

जापान, कोरिया, अमेरिका और स्वीडन के प्रतिनिधियों से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली के यशोभूमि स्थित सेमीकॉन इंडिया 2026 में मप्र पर्वेलियन का भ्रमण कर सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने मप्र में निवेश, तकनीकी सहयोग और सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विस्तार की संभावनाओं पर उद्योग प्रतिनिधियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है।

सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार उद्योगों को आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने पारस सेमीकंडक्टर्स, थॉमसन सेमीकंडक्टर्स, स्पिरंटोनिक्स एआई, एनएक्सपी इंडिया, मार्वल सेमीकंडक्टर्स, एलएण्टी सेमीकंडक्टर्स और स्वदेश आईसी सेमीकंडक्टर्स सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद किया।

सेमीकॉन इंडिया-2026 में मुख्यमंत्री ने सेमीकंडक्टर कंपनियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री ने कहा, सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश के लिए मप्र में अपार संभावनाएं



इंदौर में एक बड़ा निवेशक सम्मेलन आयोजित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 23 और 24 अक्टूबर को इंदौर में एक बड़ा निवेशक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से जुड़े निवेशकों को मप्र में निवेश के अवसरों और राज्य की नीतियों से अवगत कराया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य प्रदेश की निवेश संभावनाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देना है।

इंदौर में 23-24 अक्टूबर को होगा बड़ा निवेशक सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर के क्षेत्र में मप्र में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार लगातार देश और विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए गंभीरतापूर्वक प्रयास कर रही है। नई दिल्ली के सेमिकॉन इंडिया-2026 में मध्यप्रदेश सरकार की ओर से एक स्टॉल लगाया गया है, जहां प्रदेश के अधिकारी विभिन्न क्षेत्रों के निवेशकों और

कारोबारी प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर उद्योग को लेकर रुचि बढ़ी है। मप्र इस क्षेत्र में निवेश का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नई दिल्ली के यशोभूमि द्वारका में हो रहे सेमीकॉन इंडिया-2026 में स्थापित मप्र पर्वेलियन के भ्रमण के उपरांत स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी।

राज्य में इन्वेस्टमेंट के लिए मौका भी दे रही मप्र सरकार

मप्र सरकार देश-विदेश में इस इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिये निवेशकों को अपनी आकर्षक पॉलिसी के माध्यम से राज्य में इन्वेस्टमेंट के लिए मौका भी दे रही है। उन्होंने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2025) के दौरान भी सेमीकंडक्टर सेक्टर से जुड़े निवेशकों को आमंत्रित किया गया था। कुछ निवेशकों ने इस दिशा में प्रभावी कदम भी उठाए हैं। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के विस्तार से मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे। कई कारोबारी समूह विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी कर अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं।

मप्र बिजनेस का एक बड़ा मॉडल स्टेट और निवेश कैपिटल बनकर

मप्र बिजनेस का एक बड़ा मॉडल स्टेट और निवेश कैपिटल बनकर उभरा है, लगभग हर क्षेत्र के निवेशक मप्र आना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी निवेशकों से हमारी तरफ से संवाद जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियां, पर्याप्त लैंड बैंक और रिस्क डेवलपमेंट की बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। आने वाले समय में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर सेक्टर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गोपाल और इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया में इसकी व्यापक संभावनाएं हैं। पर्याप्त लैंड बैंक और रिस्क डेवलपमेंट के लिए भी मप्र में बहुत संभावनाएं हैं।

एक साल पहले ही बना है अंडरब्रिज चरचा कॉलरी मार्ग पर बनी रेलवे अंडरब्रिज की पुलिया धंसी



हरिभूमि न्यूज़ ►► कोरिया

जिले के चरचा कॉलरी जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित रेलवे अंडरब्रिज का पुलिया शनिवार सुबह अचानक धंस गई। करीब एक साल पहले निर्मित इस अंडरब्रिज के क्षतिग्रस्त होने से शिवपुर-चरचा मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। इसके चलते क्षेत्र की करीब 25 हजार की आबादी प्रभावित हुई है और लोगों का मुख्य मार्गों से संपर्क बाधित हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। इस मार्ग से रोजाना आम नागरिकों के अलावा करीब 50 से 60 भारी वाहन और कोयला परिवहन भी गुजरता है।

वैकल्पिक मार्ग को सुगम बनाने के दिए निर्देश

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल और उपाध्यक्ष राजेश सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। लोगों को तत्काल राहत देने के लिए उन्होंने वैकल्पिक मार्ग को सुगम बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद जेसीबी मशीनों की मदद से सड़क के गड्ढों को समतल करने का काम शुरू कराया गया। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और रेलवे प्रशासन से धंसी हुई पुलिया की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण में लापरवाही या गुणवत्ता संबंधी खामी सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

राज्य कर्मचारी संघ के स्वास्थ्य विभाग के संयोजक बनाए गए अंबर चौहान



हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

राज्य कर्मचारी संघ मप्र के महामंत्री जितेंद्र सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव की सहमति से अंबर चौहान फार्मासिस्ट जय प्रकाश जिला चिकित्सालय को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मप्र का

प्रदेश संयोजक बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने अंबर चौहान को बधाई देकर शुभकामनाएं दीं। प्रदेश संयोजक बनाए जाने पर अंबर चौहान ने कहा कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रयास करूंगा।

मुख्यमंत्री साय ने मेफेयर में किया चौथे बीएमसी छग कैंसर सम्मेलन का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर के मेफेयर में चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर सम्मेलन-2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि कैंसर के विरुद्ध लड़ाई केवल उपचार तक सीमित नहीं है। मरीज का मनोबल बनाए रखना आवश्यक है। उसे यह विश्वास दिलाना भी जरूरी है कि वह अकेला नहीं है।

मुख्यमंत्री साय ने कैंसर को पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि बीमारी का प्रभाव शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक परिस्थितियों पर पड़ता है। इसलिए कैंसर के उपचार में समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। चिकित्सकों का संवेदनशील व्यवहार और परिवार का भावनात्मक सहयोग मरीज का हौसला बढ़ाता है। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति और मानवीय संवेदन इस लड़ाई को मजबूत करती है। समय पर पहचान से प्रभावी उपचार की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गंभीर बीमारियों की समय पर जांच और रोकथाम को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञों से जल्द पहचान और सुलभ उपचार के उपायों पर विचार करने का आग्रह किया।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने किया पत्रकार-वार्ता को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को संबोधित किया। टेलर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के निरंतर जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से युवा मोर्चा द्वारा ‘वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा’ 17 सितंबर से शुरू हो चुकी है और 7 अक्टूबर तक चलेगी।

यात्रा एक साथ दो जगहों वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर प्रारंभ हुई है। यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि मोदी जी की 25 वर्षों की जनसेवा से प्रेरणा

20 मार्गों, 10 राज्यों, 193 जिलों से गुजरेगी सेवा यात्रा: श्याम टेलर



लेकर युवा शक्ति को सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ाने का अभियान है। इस दौरान ‘मोदी सेवा संकल्प’..... “अ प्रॉमिस टू मोदी जी” अभियान के तहत युवाओं को सेवा संकल्प से जोड़ने के लिए क्यूआर कोड का विमोचन किया गया, जिसे स्कैन कर युवा अपना सेवा संकल्प चुन सकेंगे। टेलर ने कहा कि देश के अलग-अलग

हिस्सों से भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के युवा ‘सेवा यात्री’ के रूप में यात्रा में शामिल होंगे। एक हजार से अधिक युवा सेवा यात्री 20 अलग-अलग मार्गों पर यात्रा करेंगे। यात्रा 20 अलग-अलग मार्गों से होकर गुजरेगी। इन 20 यात्रा टोलियों के नाम भारत की पवित्र नदियों के नाम पर रखे गए हैं।

सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण साबित होगा

राज्य सरकार बस्तर जैसे भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत लगभग 34 लाख लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई है। इनमें करीब 40 हजार लोगों में विभिन्न बीमारियों की पहचान कर उर्दू उपचार से जोड़ा गया है। नवा रायपुर में लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में 5 हजार बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यह परियोजना प्रदेश में विशेषज्ञ और अति विशिष्टता चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण साबित होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री ने सर्वोच्च कैंसर उन्मूलन परियोजना का शुभारंभ किया और जांच व उपचार की नवीनतम तकनीकों से संबंधित स्टॉलों का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री नट्टा से की सौजन्य भेंट

नई भर्ती के पूर्व 2012 के पहले के मृतक आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी जाए: राकेश पाठक

सीपीसीडी की छूट की मुख्यमंत्री की घोषणा का आदेश जारी न होने से हजारों कर्मचारी नियमित नियुक्ति, पदोन्नति से वंचित

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन की बैठक में महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि संविदा आधार पर नियुक्त अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति प्रदान करने और कर्मचारियों की पदोन्नति में बाधा बन रही सीपीसीडी परीक्षा पास के आदेश को निरस्त कर सभी को छूट देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने काफी समय पहले घोषणा की थी। इस घोषणा के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का प्रदेश के सभी संगठनों ने अभिनंदन और आभार व्यक्त किया था किंतु आश्चर्य की बात है राज्य शासन द्वारा आज तक मुख्यमंत्री जी की घोषणा सीपीसीडी छूट प्रदान करने का आदेश जारी नहीं किया गया है जिससे प्रदेश के हजारों कर्मचारी अनुकंपा आश्रित नियमित नियुक्ति प्राप्त करने और नियमित कर्मचारी पदोन्नति प्राप्त करने से अभि तन वंचित हैं। फेडरेशन ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि कर्मचारी हित में आपके द्वारा की गई इस घोषणा का आदेश को शीघ्र जारी करा दीजिए जिससे हजारों प्रभावित कर्मचारियों, अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति, पदोन्नति का लाभ प्राप्त हो सके। राकेश डी पी पाठक ने माननीय मुख्यमंत्री जी, ऊर्जा मंत्री जी से अनुरोध किया कि नई भर्ती के पूर्व 2000 से त2012 के बीच मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल में, बिजली कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों की असाधारण निष्ठा के बावजूद अभी तक उनके परिवार को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी गई है। जो बहुत ही आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। ऐसे सभी मृतक कर्मचारी आश्रित परिवार को बिजली कंपनियों में नई भर्ती के पूर्व अनुकंपा नियुक्ति बिना नई नियमित पद पर दी जाए। राकेश डी पी पाठक ने आग्रह किया आउट सोर्स कर्मचारियों को नई भर्ती में 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाए। बैठक में फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक, उमाशंकर मेहता एन के यादव, रामेश्वर गांगे, रामेश्वर गांगे,अवसार अहमद, गोपाल चौहान, दिलीप शर्मा, दीपेश दुबे,कार्तिक शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह यादव सहित अनेक जनों ने फेडरेशन के इतिहास और कर्मचारियों, पेंशनर्स की समस्याओं और उनके समाधान करने के लिए विचार व्यक्त किए। राकेश डीपी पाठक ने कहा कर्मचारी में कार्यरत संविदा/नियमित अधिकारियों/कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को बिजली बिल में 50 प्रतिशत की छूट पूर्वी भर्ति देने की कृपा करें। मध्य प्रदेश उच्च व्यायालय द्वारा कर्मचारियों को 70,80,90 प्रतिशत वेतन की जगह एक सामान कार्य पर पूरा एक सामान वेतन देने का आदेश दिया था, किंतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा कर्मचारियों के हित में सरकारमक सोच से निर्णय न लेकर इस निर्णय के विरोध में सर्वोच्च व्यायालय चली गई है। महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने राज्य बटवारे की धारा 49/6 को समाप्त करने की घोषणा की थी और दोनों राज्यों की सहमति भी हो गई थी किन्तु आज तक इस धारा की समाप्ति का आदेश जारी नहीं हुआ है। अतः शीघ्र ही इसका आदेश जारी करा दीजिए और नियमित कर्मचारियों एवं पेंशनर्स का लंबित महान्यास भत्ता, महंगाई राहत का आदेश एक साथ शीघ्र करा दीजिए। बैठक में फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक,उपाध्यक्ष उमाशंकर मेहता, जोनल सचिव स्वर्श्री एन के यादव जी, रामेश्वर गांगे, अवसार अहमद, हेमंत भवेरिया, राजेश मेसारे दीप बिहारी, परमजीत सिंह, संकेत त्रिपाठी,जमिन्दारी अंसारी, इरफान उलहक,जेड एन अंसारी, मोहम्मद फरीद मसूरी,विजय प्रजापत,ए एल जोशी, प्रवक्ता मदन वर्मा, वीरेंद्र मिश्रा, सुनील पटेल, प्रियंका यादव जी कार्तिक शर्मा, पुष्पराज सिंह, मिश्रा, ए के पांडे, डी के माथुर, सहित बड़ी संख्या में फेडरेशन के पदाधिकारी गण, सदस्य गण उपस्थित थे।

पीएम ने कहा कि भारत वलीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चली है और यह दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है। उन्होंने इसे वलीन मोबिलिटी के नए युग की शुरुआत बताया

पीएम मोदी का जलवायु परिवर्तन पर संदेश

एजेसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में ‘द फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स’ विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन 19 और 20 सितंबर को हो रहा है। पीएम ने कहा कि पर्यावरण के सामने प्लास्टिक कचरा भी एक बड़ी चुनौती रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई है।

गोबरधन योजना से गोबर को भी उपयोगी संसाधनों में बदला जा रहा

►► ‘कैच द रेन’ अभियान के तहत 1.5 करोड़ जल संचयन संरचनाएं बनाई



सम्मेलन में बाएं से दाएं मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

प्राकृतिक खेती मिशन से आया बदलाव

पीएम ने कहा कि राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से भी महत्वपूर्ण बदलाव आया है। प्राकृतिक खेती के लिए 12.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में क्लस्टर बनाए गए हैं। करीब 3,000 जलवायु अनुकूल फसलों की किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने कहा कि कृषि यान्त्रिकी को बढ़ावा देकर

कार्बन फुटप्रिंट कम करने का प्रयास किया जा रहा है। पिछले 12 वर्षों में भारत के बहुत घने वन क्षेत्र में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पीएम ने कहा कि गोबरधन योजना के माध्यम से गांवों में गोबर और अन्य जैविक कचरे को भी उपयोगी संसाधनों में बदला जा रहा है।

विकास और पर्यावरण संरक्षण में संतुलन जरूरी

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय संविधान में पर्यावरण संरक्षण को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। अनुच्छेद 48ए राज्य को पर्यावरण की रक्षा और सुधार का दायित्व देता है, जबकि अनुच्छेद 51ए नागरिकों को प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा के लिए पर्याप्त समय पर स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार, सावधानी के सिद्धांत, प्रदूषक



गुगान सिद्धांत और पब्लिक ट्रस्ट डोक्ट्रिन जैसे सिद्धांतों के माध्यम से पर्यावरण न्याय को मजबूत किया है। अब चुनौती विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने सम्मेलन का स्वागत करते हुए कहा कि वर्चा केवल आज के पर्यावरण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को पृथ्वी को ध्यान में रखकर होनी चाहिए।

उपचार के लिए प्रभावी वैश्विक नियमों पर जोर

अटार्नी जनरल आर वैक्टरमणि ने कहा कि पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान केवल संधियों और घोषणाओं से नहीं होगा। जरूरत ऐसे वैश्विक संस्थानों और प्रभावी नियमों की है, जो पर्यावरणीय क्षति को रोकथाम और उसके उपचार दोनों पर काम कर सकें। उन्होंने कहा कि गरीबी आवश्यकता है।



और असमानता दूर करने की तात्कालिकता के समान ही पर्यावरण न्याय को भी प्राथमिकता देनी होगी। उर्जा और खाद्य सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य, जल, प्राकृतिक संसाधनों और आर्थिक अवसरों को पर्यावरणीय नीतियों के साथ जोड़कर देखने की आवश्यकता है।

70 हजार से ज्यादा अनूत सरोवरों का निर्माण

पीएम ने कहा कि भारत का विकास तेज होने के साथ टिकाऊ भी है। जल संरक्षण के क्षेत्र में भी अमूल्य काम किया जा रहा है। देश में 70 हजार से ज्यादा अमृत

सरोवर बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 'कैच द रेन' अभियान के तहत देशभर में करीब 1.5 करोड़ जल संचयन संरचनाएं बनाई गई हैं।

हाइड्रोजन ट्रेन से वलीन मोबिलिटी

पीएम ने कहा कि भारत वलीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चली है और यह दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है।

खबर संक्षेप

हंसराज सिंह वर्मा क्यूबा के राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली। भारत के 2008 बैच के आईएफएस अधिकारी हंसराज सिंह वर्मा को क्यूबा का राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह जल्द ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। 14 सितंबर 2024 को से वह ब्राजील के साओ पाउलो में भारत के महावाणिज्य दूतावास में महावाणिज्यदूत की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इससे पहले, वे ब्यूनास आयर्स में भारतीय दूतावास में राजनीतिक और व्यापारिक मामलों के काउंसलर इन-चार्ज थे। वे कई जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह जल्द ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। 14 सितंबर 2024 को से वह ब्राजील के साओ पाउलो में भारत के महावाणिज्य दूतावास में महावाणिज्यदूत की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इससे पहले, वे ब्यूनास आयर्स में भारतीय दूतावास में राजनीतिक और व्यापारिक मामलों के काउंसलर इन-चार्ज थे। वे कई जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

इंग्लैंड में ब्रिटिश सिख ड्राइवर पर हमला

लंदन। इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के एक बाजार वाले इलाके में एक सिख बस चालक के साथ मारपीट के बाद उसकी बस चोरी कर ली गई। पुलिस ने इसे चिंताजनक घटना बताया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वेस्ट मसिया पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम टेलफोर्ड में बस चोरी कर उससे कई वाहनों को टक्कर मारी गयी। श्रोपशायर के मेडली स्पिट कोर्ट स्ट्रीट में चालक के साथ हुई मारपीट का वीडियो बनाया गया, जो व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है।

फंदे से लटका मिला कमांडो का शव

कोलकाता। कोलकाता पुलिस का एक कमांडो शनिवार को यहां पुलिस प्रशिक्षण स्कूल (पीटीएस) के एक शौचालय के अंदर फंदे से लटका पाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान दीपक तमांग (49) के रूप में हुई है, जो कमांडो बैरक की चौथी मंजिल के शौचालय में एक ओवरहेड पाइपलाइन से लटक हुए पाये गये। तमांग राज्य के उत्तरी हिस्से के कलिम्पोंग जिले के रहने वाले थे। शौचालय कुछ समय से अंदर से बंद था।

‘बीएसएफ’ फ्रंटियर्स के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत-बांग्लादेश सीमा के सीमावर्ती इलाकों में अतिक्रमण और अवैध प्रवासियों पर बीएसएफ की पैनी नजर रहेगी। सीमा के जिन हिस्सों पर बाड़ लगाई जा रही है, उसमें तेजी लाई जाएगी।

सीमा-पार के अपराधों और तस्करी से निपटने के लिए बीएसएफ के जवान और अधिकारी, अन्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों एवं नागरिक प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल के साथ काम करेंगे।

एक सैनिक की गलती ला सकती थी महाविनाश एआई की वजह से शुरू होने वाला था यूएस-चीन में युद्ध !



एजेसी ►► वांशिंगटन

एआई की वजह से दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका और चीन में टकराव होते-होते बच गया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में

■ अमेरिकी सैनिक ने ली थी एआई चैटबॉट की मदद

कहा गया है कि एआई की एक रिपोर्ट के आधार पर अमेरिका के सैनिक चीन के एक जहाज पर सवार होने ही वाले थे, लेकिन ऐन

वक्त पर हालात काबू हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सेना को एक खुफिया रिपोर्ट मिली थी, जिसमें बताया गया था कि पश्चिम एशिया में मौजूद चीन के एक जहाज पर परमाणु हथियार से जुड़े उपकरण मौजूद हैं।

गूगल जेमिनाई ने 3 वेबसाइट्स हैक कीं

गूगल के एआई मॉडल जेमिनाई ने साइबर सिक्योरिटी टेस्टिंग के दौरान 3 कंपनियों के कंप्यूटिंग सिस्टम और वेबसाइट्स को बिना किसी इंसानी मदद के हैक कर लिया। यह ऐसा पहला मामला है, जहां गूगल का कोई एआई मॉडल खुद से किसी असली सिस्टम में घुस गया। घटना मई महीने की है। साइबर सिक्योरिटी टेस्टिंग कंपनी ने 18 सितंबर को इसके बारे में जानकारी दी। कंपनी इन्टरनेट साइबर सिक्योरिटी की टेस्टिंग कर रही थी। हालांकि, जैसे ही एआई को यह अहसास हुआ कि ये कंपनियां असली हैं, उसने तुरंत अपना ऑपरेशन रोक दिया। गूगल ने इस टेस्टिंग के बाद कहा है कि एआई मॉडल की ट्रेनिंग में बदलाव करेंगे।

यूएन में भारतीय राजदूत की होमरुज संकट पर दो टूक

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने गुरुवार को संयुक्त महासभा सुरक्षा परिषद से कहा कि समुद्री व्यापारिक गतिविधियों को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हरीश ने बहरीन की बुलाई गई कारांसिल की एक अनौपचारिक बैठक में समुद्री सुरक्षा माहौल पर चर्चा की। यह बैठक ‘आरिया-फॉर्मूला’ के तहत आयोजित की गई थी, जिसका नाम वेनेजुएला के राजनयिक डिएगो आरिया के नाम पर रखा गया है। उन्होंने ही 1992 में इस संस्था की अध्यक्षता करते हुए ऐसी बैठकों की शुरुआत की थी।

समुद्री व्यापार को भू-राजनीतिक तनाव के लिए निशाना न बनाएं

भारत स्वतंत्र और खुले क्षेत्र का समर्थक

पी. हरीश ने कहा कि नेविगेशन के अधिकारी पर जबरदस्ती, धमकियों, गैर-कानूनी प्रतिबंधों या मनमाने हस्तक्षेप का असर नहीं पड़ना चाहिए। भारत एक प्रमुख समुद्री देश है और हम एक स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित और निर्यातों पर आधारित समुद्री क्षेत्र का पूरजोर समर्थन करते हैं। होमरुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत को आर्थिक नुकसान भी हुआ है, क्योंकि इससे तेल और गैस की सप्लाई में रुकावट आई और साथ ही दुनिया भर में पेट्रोलियम की कीमतें तेजी से बढ़ीं।

नाविकों की मौत का विरोध जताया

भारत ने ईरान और अमेरिका के सामने अपने नाविकों की मौत का विरोध जताया है। इसके साथ ही तेहरान से भारत में रजिस्टर्ड जहाज पर हुए हमले के बारे में भी शिकायत की है। बता दें, अप्रैल में, ईरान के इस्लामिक रिवालयनरी गार्ड कॉर्प्स की गनबोट्स ने भारतीय झंडे वाले दो टैंकरों पर चेतावनी के तौर पर गोर्निया चलाई थीं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ किया समझौता

अमेरिकी सेना की ‘मौजूदगी’ बढ़ेगी रूस-चीन नहीं बना सकेंगे सैन्य अड्डे

ट्रंप के मुताबिक, समझौते में ग्रीनलैंड में अमेरिका के विरोधी देशों के सैन्य अड्डे बनाने पर रोक होगी। इसके अलावा, ग्रीनलैंड के संवेदनशील इलाकों में कोई बड़ा निवेश अमेरिका की लिखित मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा



एआई इमेज

ग्रीनलैंड में निवेश के लिए अमेरिका की लिखित मंजूरी जरूरी

ट्रंप के मुताबिक, समझौते में ग्रीनलैंड में अमेरिका के विरोधी देशों के सैन्य अड्डे बनाने पर रोक होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करेगा। ऐसी जगहें हैं जहां अमेरिकी सेना की मौजूदगी बढ़ाई जा सकती है। इसके अलावा, ग्रीनलैंड के संवेदनशील इलाकों में कोई बड़ा निवेश अमेरिका की लिखित मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा। ग्रीनलैंड नाटो क्षेत्र में आता है। ऐसे में रूस और चीन जैसे गैर-नाटो देशों की सैन्य मौजूदगी रोकने वाला यह प्रावधान अमेरिका के लिए रणनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है।

ग्रीनलैंड में 1951 से है अमेरिकी सेना

ग्रीनलैंड में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी नई नहीं है। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने पहली बार यहां सैन्य मौजूदगी बनाई थी। 1951 में अमेरिका और डेनमार्क के बीच एक रक्षा समझौता हुआ। इसके तहत अमेरिका को ग्रीनलैंड में सैन्य ठिकाने चलाने और अपनी सेना की गतिविधियां करने की काफी आजादी मिली। इस समझौते में नाटो देशों की सेनाओं को भी ग्रीनलैंड में पहुंच की अनुमति थी। हालांकि, रूस या चीन जैसे देशों की सैन्य मौजूदगी पर साफ रोक नहीं थी।

अगले सप्ताह अमेरिका जाएंगे जिनपिंग



डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग

डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधीन एक स्वशासित क्षेत्र

डेनमार्क और ग्रीनलैंड के सांसदों की अनुमति बाकी

पुराने ठिकानों को सक्रिय करेगा यूएस

शीत युद्ध के दौरान अमेरिका के ग्रीनलैंड में एक दर्जन से ज्यादा सैन्य ठिकाने थे। बाद में इनमें से ज्यादातर बंद कर दिए गए। फिलहाल वहां अमेरिका का पिटुफिक स्पेस बेस मौजूद है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के ग्रीनलैंड का दौरा करने से पुराने सैन्य ठिकानों को दोबारा खोलने की संभावनाएं भी देखी हैं।

ग्रीनलैंड आजादी चाह रहा

ग्रीनलैंड लंबे समय से ज्यादा स्वायत्तता और आजादी की मांग करता रहा है। वहां कई लोग इसे स्वतंत्र देश बनाना चाहते हैं। अभी इसकी रक्षा की जिम्मेदारी डेनमार्क के पास है। ट्रंप प्रशासन की चिंता रही है कि अगर भविष्य में ग्रीनलैंड स्वतंत्र देश बन जाता है, तो अमेरिका की मौजूदा सैन्य पहुंच पर क्या असर पड़ेगा। नए समझौते में इस स्थिति को भी शामिल किया गया है।

एनएसए अजीत ने छात्रों को सुनाया ये किस्सा

हमारे लोगों को चीनी सेना ने पकड़ लिया था, मुझे लगा मेरा करियर खत्म

एजेसी ►► रुड़की

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने आईआईटी रुड़की के दीक्षांत समारोह में अपने जीवन का एक रोचक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि मैं 20 वर्ष का आईपीएस था, और सिक्किम में इंटेलिजेंस का इंचार्ज था। मेरी जिम्मेदारी में बॉर्डर वाले इलाकों की देखभाल करना और पीपलएफ की हलचल, चीनी सेना की गतिविधियों के बारे में इंटेलिजेंस इकट्ठा करना था। बॉर्डर वाले इलाके में एक इंटेलिजेंस मिशन भेजा था। उन्हें पांच दिन बाद वापस आना था। 10 दिन बाद भी वे लोग नहीं आए। एक दिन मेरे बॉस ने मुझे बताया कि वे अब चीनी हिरासत में हैं। बाद में वे वापस आ गए। अजीत डोभाल ने कहा कि मुझे पता था कि यह मेरे करियर का अंत था। जांच पूरी हो गई। मुझमें कोई गलती नहीं पाई गई, शायद मैंने सब कुछ सही किया था।



अजीत डोभाल

तीन दिवसीय रूस यात्रा पर थल सेना प्रमुख मिलिट्री आर्टिलरी अकादमी पहुंचे तोपखाना आधुनिकीकरण पर जोर

एजेसी ►► मॉस्को

रूस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गए भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सेंट पीटर्सबर्ग स्थित 'मिखाइलोव्सकाया मिलिट्री आर्टिलरी अकादमी' का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अकादमी के संकाय सदस्यों से प्रशिक्षण पद्धतियों और तोपखाने के आधुनिकीकरण से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। भारतीय सेना ने बताया कि यात्रा के दौरान जनरल धीरज सेठ को सेंट पीटर्सबर्ग के पीटर एंड पॉल फोर्ट्स



जनरल धीरज सेठ

में पारंपरिक तोप दागने का विशेष सम्मान भी दिया गया। दौरे के दौरान भारतीय थल सेना प्रमुख ने प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं और आधुनिक समय की सैन्य जरूरतों के मुताबिक आर्टिलरी को विकसित करने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया।

भारत ने नेपाल भेजी मदद की एक और खेप 11 टन राहत सामग्री में हाइजिन किट और दवाएं शामिल, काठमांडू ने जताया आभार

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत ने पड़ोसी देश नेपाल को विनाशकारी बाढ़ के बाद की विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए मदद की एक और बड़ी खेप भेजी है। इस राहत सामग्री में दवाओं के साथ ही फोरेसिक का सामान शामिल है। भारतीय वायुसेना का विमान ये सभी राहत सामग्री लेकर रवाना किया गया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट द्वारा इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि भारत ने नेपाल को राहत सामग्री की 11 टन और खेप भेजी। नेपाल की रिकवरी में मदद के लिए राहत सामग्री ले जाने वाला यह भारतीय वायुसेना का नौवां विमान था।

नेपाल के वित्त मंत्री ने जयशंकर से की मुलाकात

नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। वाग्ले ने ने रसुवा में आई अचानक बाढ़ के बाद बचाव और राहत कार्यों में भारत सरकार द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों मंत्रियों ने नेपाल-भारत की दीर्घकालिक मित्रता को और गहरा करने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। विशेष रूप से निवेश, उर्जा और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में। जयशंकर ने कहा कि नेपाल को राहत सामग्री की एक और खेप (11 टन) भेजी गई, जिसमें दवाएं, फोरेसिक का सामान, टेंट, हाइजीन किट, स्लीपिंग बैग और अन्य जरूरी चीजें शामिल हैं।



एशियाई खेलों का रंगारंग उद्घाटन



मार्च पास्ट में नेवी ब्लू का जलवा

स्टार निशानेबाज मनु भाकर और कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत की अनुवाई में भारत ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच खिलाड़ियों की परेड में प्रवेश किया। गहरे नीली (नेवी ब्लू) साड़ी और बंदगले की औपचारिक जैकेट पहने मनु दर्शकों का अभिवादन करती नजर आई। उन्होंने सहरावत के साथ 150 सदस्यीय भारतीय दल की अनुवाई की। भारतीय पुरुष खिलाड़ियों ने भी गहरे नीले रंग की बंदगले की औपचारिक जैकेट और उससे मेल खाती पतलून पहनी थी।

टेबल टेनिस : मानव-मानुष से पदक की उम्मीद

मानुष शाह और मानव ठक्कर की विश्व में तीसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी के नेतृत्व में आत्मविश्वास से भरी भारतीय टेबल टेनिस टीम रविवार को एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरू करेगी और उसका लक्ष्य कम से कम एक पदक जीतना है। भारतीय पुरुष टीम गुप एफ के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया का सामना करेगी और

नागोया के आसमान में चमका भारत मनु और सहरावत ने लहराया तिरंगा

एजेसी ►► नागोया

जापान ने शनिवार को एशियाई खेलों के सादगीपूर्ण लेकिन रंगारंग उद्घाटन समारोह में अपनी तकनीकी और औद्योगिक ताकत के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की जिसने प्रतियोगिता से पहले की अव्यवस्थाओं और लॉजिस्टिक्स समस्याओं के बीच एक उम्मीद की किरण दिखाई। अगले 15 दिनों तक 45 देशों के करीब 11,000 खिलाड़ी 43 खेलों और 71 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। इस दौरान कुल 469 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा और खेलों का समापन 4 अक्टूबर को होगा। बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट समेत कुछ अन्य खेलों की स्पर्धाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। 'हार्मोनिक हार्ट बीट' थीम के साथ जापान ने अपने इतिहास में तीसरी बार एशियाई खिलाड़ियों का स्वागत किया। इससे पहले 1958 में तोक्यो और 1994 में हिरोशिमा में एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था।

‘वन एशिया’ की थीम मुख्य आकर्षण

उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण दिल के आकार का मुख्य मंच रहा, जिसे 'वन एशिया' की थीम को दर्शाने के लिए तैयार किया गया था। यह पूरे महाद्वीप के खिलाड़ियों और लोगों के एक-दूसरे से दिल से जुड़ने का प्रतीक था। 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाले खचाखच भरे मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस शानदार समारोह में आइची की औद्योगिक तकनीक और पारंपरिक कला का अनूठा मेल देखने को मिला।

रविवार को अपने दूसरे मैच में ईरान के खिलाफ खेलेंगी। महिला टीम को भी गुप एफ में रखा गया है और वह इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दिन के दूसरे मैच में उसका सामना सिंगापुर से होगा। पिछले एशियाई खेलों में भारत ने महिला युगल जोड़ी सुतीर्थ मुखर्जी और आशिका मुखर्जी के दम पर कांस्य पदक जीता था।

भारत- बांग्लादेश के बीच मिडंत आज

एजेसी ►► नागोया

भारत की विजय

निशान। मौजूदा चैंपियन भारत रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मैच में अपने आक्रमक तेवर बरकरार रखकर दबाव बनाने की कोशिश करेगा। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ इस प्रारूप में अपना दबदबा बनाए रखा है और उसने पिछले नौ मुकाबलों में जीत हासिल की है, जिसमें पिछले सप्ताह एशिया कप में 40 रन की जीत भी शामिल है। बांग्लादेश के हाथों उसे टी20 में आखिरी बार तीन साल पहले हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश की टीम भारत पर दबाव बनाने के लिए अपने रिसर्गों पर निर्भर रहेगी। बांग्लादेश को अगर भारत के बल्लेबाजों पर दबाव बनाना है तो नाहिदा अख्तर और रबिया खान जैसी गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वे पिच से मिलने वाली किसी भी मदद का फायदा उठाने और भारत के आक्रमक शीर्ष क्रम को नियंत्रण में रखने की कोशिश करेंगी।

मैच का समय सुबह 10:30 बजे

भारत को जापान से मिल सकती है चुनौती

पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम रविवार को अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश की खिलाफ करेगी जबकि महिला टीम कजाकिस्तान से भिड़ेगी। टीम प्रतियोगिता के बाद 25 सितंबर से व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी। भारत को 2023 में हांगकॉन्ग में सात्विकसाईंरज रंकरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरुष युगल में स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके अलावा भारत ने पुरुष टीम स्पर्धा में रजत और पुरुष एकल में एचएस जगज के शानदार प्रदर्शन से कांस्य पदक भी जीता था। भारतीय पुरुष टीम रजत पदक की स्वर्ण पदक में बदलने का लक्ष्य रखेगी, जबकि महिला टीम 2014 में हंग्रियन में कांस्य पदक जीतने के बाद दूसरा टीम पदक हासिल करने की कोशिश करेगी।

टेकबॉल : सेमीफाइनल में हारी विक्न्सी

भारत की विक्न्सी डिसूजा एशियाई खेलों की टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की सुमाया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गई और अब कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। विक्न्सी ने शुरुआती बदत बनाई लेकिन लय कायम नहीं रख पाई और 12-7, 9-12, 7-12 से हार गई। विक्न्सी अब रविवार को कांस्य पदक का प्लेआफ खेलेंगी। विक्न्सी ने अपनी लंबे कद का पूरा फायदा उठाते हुए बार-बार सटीक स्मैश लगाए। घुमावदार टेबल से उनकी नीची और स्लाइडिंग सर्व ने सुमाया को दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम 12-7 से आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे गेम में कहानी एकदम से बदल गई। यह खेल सेपक टकरा (पांच से वॉलीबॉल खेलने जैसा) से मिलता है और सुमाया सेपक टकरा की खिलाड़ी रही है, जिसका उन्हें फायदा मिला। सुमाया ने तेजी दिखाई और विक्न्सी को हर अंक के लिए कड़ी टक्कर दी। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को रैलियों में उलझाया।

हॉकी: नई शुरुआत करेगी भारतीय टीम

भारत की विक्न्सी डिसूजा एशियाई खेलों की टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की सुमाया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गई और अब कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। विक्न्सी ने शुरुआती बदत बनाई लेकिन लय कायम नहीं रख पाई और 12-7, 9-12, 7-12 से हार गई। विक्न्सी अब रविवार को कांस्य पदक का प्लेआफ खेलेंगी। विक्न्सी ने अपनी लंबे कद का पूरा फायदा उठाते हुए बार-बार सटीक स्मैश लगाए। घुमावदार टेबल से उनकी नीची और स्लाइडिंग सर्व ने सुमाया को दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम 12-7 से आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे गेम में कहानी एकदम से बदल गई। यह खेल सेपक टकरा (पांच से वॉलीबॉल खेलने जैसा) से मिलता है और सुमाया सेपक टकरा की खिलाड़ी रही है, जिसका उन्हें फायदा मिला। सुमाया ने तेजी दिखाई और विक्न्सी को हर अंक के लिए कड़ी टक्कर दी। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को रैलियों में उलझाया।

हॉकी: नई शुरुआत करेगी भारतीय टीम

भारत की विक्न्सी डिसूजा एशियाई खेलों की टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की सुमाया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गई और अब कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। विक्न्सी ने शुरुआती बदत बनाई लेकिन लय कायम नहीं रख पाई और 12-7, 9-12, 7-12 से हार गई। विक्न्सी अब रविवार को कांस्य पदक का प्लेआफ खेलेंगी। विक्न्सी ने अपनी लंबे कद का पूरा फायदा उठाते हुए बार-बार सटीक स्मैश लगाए। घुमावदार टेबल से उनकी नीची और स्लाइडिंग सर्व ने सुमाया को दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम 12-7 से आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे गेम में कहानी एकदम से बदल गई। यह खेल सेपक टकरा (पांच से वॉलीबॉल खेलने जैसा) से मिलता है और सुमाया सेपक टकरा की खिलाड़ी रही है, जिसका उन्हें फायदा मिला। सुमाया ने तेजी दिखाई और विक्न्सी को हर अंक के लिए कड़ी टक्कर दी। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को रैलियों में उलझाया।

हॉकी: नई शुरुआत करेगी भारतीय टीम

भारत की विक्न्सी डिसूजा एशियाई खेलों की टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की सुमाया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गई और अब कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। विक्न्सी ने शुरुआती बदत बनाई लेकिन लय कायम नहीं रख पाई और 12-7, 9-12, 7-12 से हार गई। विक्न्सी अब रविवार को कांस्य पदक का प्लेआफ खेलेंगी। विक्न्सी ने अपनी लंबे कद का पूरा फायदा उठाते हुए बार-बार सटीक स्मैश लगाए। घुमावदार टेबल से उनकी नीची और स्लाइडिंग सर्व ने सुमाया को दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम 12-7 से आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे गेम में कहानी एकदम से बदल गई। यह खेल सेपक टकरा (पांच से वॉलीबॉल खेलने जैसा) से मिलता है और सुमाया सेपक टकरा की खिलाड़ी रही है, जिसका उन्हें फायदा मिला। सुमाया ने तेजी दिखाई और विक्न्सी को हर अंक के लिए कड़ी टक्कर दी। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को रैलियों में उलझाया।

खबर संक्षेप



जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष बन सकते हैं पोवार नई दिल्ली। पूर्व ऑफ स्पिनर रमेश पोवार और उत्तर प्रदेश के अनुभवी तेज गेंदबाज आशीष विंस्टन जैदी राष्ट्रीय जूनियर पुरुष चयन समिति में शामिल हो सकते हैं। 24 अगस्त को बीसीसीआई ने इस समिति में पांच पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितंबर थी। नई समिति, तमिलनाडु के पूर्व क्रिकेटर एस. शरथ की अध्यक्षता वाली मौजूदा समिति की जगह लेगी। मौजूदा समिति में राणादेव बोस (ईस्ट जोन), हरविंदर सिंह सोढ़ी (नॉर्थ जोन), पथिक पटेल (वेस्ट जोन) और कृष्ण मोहन (सेंट्रल जोन) शामिल हैं। सूत्रों ने बताया, पोवार और जैदी ने समिति का हिस्सा बनने के लिए आवेदन किया है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो पोवार नए मुख्य जूनियर चयनकर्ता और वेस्ट जोन के प्रतिनिधि बन सकते हैं, जबकि जैदी सेंट्रल जोन से जूनियर चयनकर्ता बन सकते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेशी टीम का ऐलान



नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को इस टेस्ट के लिए आराम दिया गया है। दोनों टीमों के बीच यह टेस्ट मुकाबला 9 से 13 अक्टूबर तक खेला जाना है। तस्कीन के अलावा, विकेटकीपर बल्लेबाज अमिते हसन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। जेक अली और तौहीद हदय की टीम में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लिटस दास के खेलने पर संशय को देखते हुए जेकर अली को बैकअप के तौर पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया था।

डेविस कप : दक्षिणेश्वर और बालाजी की शानदार जीत

एजेसी ►► सियोल

दक्षिणेश्वर सुरेश और श्रीराम बालाजी ने युगल मुकाबले में उई-सुंग पार्क और जी-सुंग नाम की हयाकर डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत की जीत की उम्मीदों को जीवंत रखा। मुकाबला के पहले दिन शुक्रवार को दोनों एकल मैच गंवाने के कारण 0-2 से पिछड़ने के बाद भारत को कुछ अलग करने की जरूरत थी। उसने निकी पूनाचा की जगह दक्षिणेश्वर को बालाजी के साथ कोर्ट पर उतारा और उसका यह फैसला सही साबित हुआ। इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3 3-6 6-3 से जीत हासिल की।

रचिन चोटिल, भारत के खिलाफ खेलने पर संशय



एजेसी ►► ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान डाइव लगाकर कैच लेने के प्रयास में चोटिल हो गए और उनका भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलना संदिग्ध है। रचिन के कंधे में चोट लगी है। उनकी

चोट का आकलन किया गया, जो गंभीर नहीं है लेकिन चोट से उबरने की प्रक्रिया के दौरान उनकी प्रगति से ही पता चल पाएगा कि वह कब तक वापसी कर पाएंगे। न्यूजीलैंड 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए भारत की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि वह अब भी 'अस्पष्ट' है कि रविंद्र सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं।

रविंद्र की वापसी में जल्दबाजी नहीं

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि टीम अपने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए रविंद्र की वापसी में जल्दबाजी नहीं करेगी। वाल्टर ने कहा, 'हमारा अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट में व्यस्त कार्यक्रम होने के कारण हम रचिन की वापसी को लेकर जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं।'

पिछड़ने के बाद हासिल की जीत

भारत ने इससे पहले केवल दो बार, 2010 और 2018 में, डेविस कप मुकाबले में 0-2 से पिछड़ने के बाद जीत हासिल की है। यह कारनामा फिर से करने के लिए भारत को अब दोनों उलट एकल मैच जीतने होंगे। भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल पर सारा दायित्व है, जिन्हें पहले उलट एकल मैच में कोरिया के शीर्ष के खिलाड़ी सुनवू क्वोन को हराना होगा। भारत ने पहले सेट में शुरू से ही अपने इरादे जतला दिए थे।

जायसवाल को मिले मौका : इरफान

वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से वनडे सीरीज का आगाज

एजेसी ►► नई दिल्ली

पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने यशस्वी जायसवाल का समर्थन करते हुए उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में मौका देने की वकालत की है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 27 सितंबर से होना है। जायसवाल भारत के बैकअप ओपनर रहे हैं और उन्हें मिले सीमित मौकों में उन्होंने काफी प्रभावित किया है। भारत 27 सितंबर से घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलने जा रहा है। ऐसे में पठान यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना

एजेसी ►► सियोल

डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में सुमित नागल पहले उलट एकल के मैच में सुनवू क्वोन से हार गए। इस तरह से कोरिया ने 3-1 से जीत हासिल करके यह मुकाबला अपने नाम कर दिया। नागल को करो या मरो वाले मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत थी, लेकिन भीषण गर्मी में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें कोरिया के नंबर एक खिलाड़ी क्वोन से 1-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

नागल का लय हासिल करने के लिए संघर्ष

नागल लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और कोरियाई खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-1 से जीत लिया दूसरे सेट में कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद नागल उस तरह की वापसी करने में असमर्थ रहे, जो उनकी खासियत है। भारत को अब क्वालीफाईंग राउंड एक में खेलना होगा। यह मैच कप्तान रोहित राजपाल का डेविस कप में आखिरी मैच भी हो सकता है, जिनका अनुबंध दिसंबर 2026 तक है।

आज एशियाड के लिए जापान रवाना होंगे क्रिकेटर

टीम इंडिया की किट पर पेंच

भारत की विजय

खिलाड़ियों को दो अलग-अलग ड्रेस की जरूरत

आईओए के सूत्र ने बताया, 'क्रिकेटर्स की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किटें हवी हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है (एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए), इसलिए ऐसा हुआ होगा।' इस बीच नागोया में अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में हो रही देरी को देखते हुए बीसीसीआई ने स्वयं होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है।

महिला टीम को आवास समस्या नहीं

भारतीय महिला टीम हालांकि आईओए के उपलब्ध कराए आवास में रह रही है। महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी।





कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूंकि सच्ची सहेली में है **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in

67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी

सच्ची सहेली

हाईकोर्ट ने उच्च स्तरीय जाति जांच समिति को 90 दिन में रिपोर्ट पेश करने कहा पूर्व टीएंडसीपी संयुक्त संचालक के जाति प्रमाण पत्र की जांच के निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने भोपाल में पदस्थ रहे पूर्व टीएंडसीपी संयुक्त संचालक व वर्तमान सिटी प्लानर नीरज आनंद लिखार के जाति प्रमाण पत्र की जांच के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने उच्च स्तरीय जाति जांच समिति को 90 दिन के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए।

नरसिंहपुर निवासी आदित्य ठाकुर ने याचिका दायर कर नीरज आनंद लिखार के जाति प्रमाण पत्र की वैधता को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि नीरज आनंद लिखार के सगे बड़े भाई अजय लिखार का जाति प्रमाण पत्र उच्च स्तरीय जाति जांच समिति द्वारा जांच और तथ्यों के मूल्यांकन के बाद पहले ही निरस्त किया जा चुका है। हाईकोर्ट ने भी समिति के उक्त निर्णय को बरकरार रखा था। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि दोनों सगे भाइयों ने महाराष्ट्र में हल्बा जनजाति के आधार पर जाति प्रमाण पत्र प्राप्त किए थे। दोनों के वंश, पूर्वज और जनस्थान समान हैं तथा उनके जाति प्रमाण पत्र भी एक ही प्राधिकरण द्वारा लगभग समान अवधि में समान तथ्यों के आधार पर जारी किए गए थे। ऐसे में एक भाई का जाति प्रमाण पत्र निरस्त किए जाने के बावजूद दूसरे भाई के प्रमाण पत्र की वैधता की जांच किया जाना आवश्यक है। याचिका में आरोप



लगाया गया कि नीरज आनंद लिखार ने उक्त जाति प्रमाण पत्र के आधार पर अनुसूचित जनजाति कोटे का लाभ लेते हुए नियुक्ति, पदोन्नति और अन्य सेवा लाभ प्राप्त किए व महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थ रहे। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि जब सगे भाई का प्रमाण पत्र निरस्त हो चुका है, तो नीरज आनंद लिखार के प्रमाण पत्र की भी उच्च स्तरीय जांच आवश्यक है।

एमआर-फोर से लगी लक्ष्मीपुर बस्ती का मामला, पट्टाधारियों को बिना पुनर्वास-मुआवजे हटाने पर आपति हाई कोर्ट ने 250 परिवारों को लेकर सुरक्षित किया अपना आदेश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर के एमआर-फोर से लगी लक्ष्मीपुर बस्ती में रह रहे करीब 200 से 250 परिवारों को हटाने के मामले में सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित कर लिया। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच के समक्ष हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शशांक शेखर व अधिवक्ता रविंद्र कुमार गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि लक्ष्मीपुर की करीब आठ हेक्टेयर भूमि का वर्ष 1990 में अधिग्रहण किया गया था। क्षेत्र में पहले से रह रहे कई परिवारों को वर्ष 1998 में नगरीय क्षेत्र के भूमिहीन अधिनियम के तहत 28 वर्ष की पट्टेदारी दी गई थी। अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि वर्तमान में यहां करीब 200 से 250 परिवार रह रहे हैं। इनमें पट्टाधारी परिवार भी शामिल हैं। उनका कहना था कि बिना सुनवाई, पुनर्वास और मुआवजे की प्रक्रिया पूरी किए इन्हें हटाना नहीं जा सकता। हस्तक्षेपकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में बस्ती खाली कराने की कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने बिजली काटने और अतिक्रमण हटाने की तैयारी की थी, जिसे हाई कोर्ट के समक्ष मामला आने के बाद रोका गया। उनका कहना था कि पिछले वर्षों में क्षेत्र में सड़क, बिजली और पानी की सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित कर लिया।

एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव 14 निर्वाचित, अब आठ प्रत्याशी मैदान में

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की द्वितीय चरण की मतगणना में शनिवार को एलिमिनेशन राउंड का 31 वां दिन पूरा हुआ। प्रत्याशी क्रमांक 71 प्रेम सिंह भदौरिया (वर्गालियर) का एलिमिनेशन पूरा हो गया, जबकि प्रत्याशी क्रमांक 83 राजेश कुमार पांडे (सागर) के एलिमिनेशन की प्रक्रिया शुरू हुई। उनके शेष कर्तों की गणना आगे होगी। मतगणना के दौरान प्रत्याशी क्रमांक 110 सुनील कुमार मिश्रा (जबलपुर) ने निर्धारित कोटा पार कर लिया। इसके साथ ही उन्हें निर्वाचित माना गया। अब तक कुल 14 प्रत्याशी निर्धारित कोटा पार कर निर्वाचित माने गए हैं। इनमें जबलपुर से सुनील कुमार मिश्रा, मनीष तिवारी, आरके सिंह जैनी व नित्यानंद मिश्रा, इंदौर से राकेश सिंह भदौरिया, अखिलेश कुमार सक्सेना, विवेक सिंह, हितोषी जय हाडिंया व नरेंद्र कुमार जैन, उज्जैन से संदीप मेहता, भोपाल से डा. विजय कुमार चौधरी, रीवा से अखंड प्रताप सिंह व ग्वालियर से जितेंद्र कुमार शर्मा व गौरव मिश्रा शामिल हैं। अब आठ प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें से चार का निर्वाचन होगा, जबकि शेष का एलिमिनेशन किया जाएगा। मतगणना में पुरुष प्रत्याशियों में राशिद सोहेल सिद्दीकी (जबलपुर), दिनेश कुमार शुक्ला (ग्वालियर), नवीन शुक्ला (जबलपुर), शैलेन्द्र वर्मा (जबलपुर) और सुनील गुप्ता (इंदौर) बढत में हैं। महिला प्रत्याशियों में अब केवल अन्वु पटेल (सिंगरौली) मैदान में हैं।

जमीन कब्जाने और बदमाशों को दी थी पनाह, पुलिस कप्तान ने घोषित किया था तीन हजार का ईनाम ईनामी शेखर चौबे प्रयागराज से गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।

कुख्यात बदमाश सुयश उर्फ छोटू चौबे के पिता और लंबे समय से फरार चल रहे ईनामी आरोपी



चंद्रशेखर उर्फ शेखर चौबे (75) को जबलपुर क्राइम ब्रांच ने प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया। एएसपी सिटी डॉ. आयुष जाखड़ ने पत्रकार वार्ता में बताया कि आरोपी पर जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान निर्माण कराने, हथियारों के अवैध इस्तेमाल तथा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों को संरक्षण देने के आरोप हैं। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने तीन हजार रुपये का ईनाम घोषित किया था।

हथियारों के साथ पकड़े गए आरोपी से खुला राज

एएसपी सिटी डॉ. जाखड़ के मुताबिक पिछले माह क्राइम ब्रांच ने भूलन बस्ती में दबिश देकर हथोरी और हत्या के प्रयास के मामलों में फरार आरोपी शेख आदिल को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार बरामद हुए थे। पूछताछ में आदिल ने बताया था कि वह जिस मकान में फरारी काट रहा था, वहां उसे शेखर चौबे ने ठहराया था। इसके बाद पुलिस ने मकान और उसके स्वामित्व से जुड़ी जानकारी जुटाई।

दूसरों के प्लॉट पर कब्जा कर बनाया मकान

जांच में सामने आया कि भूलन बस्ती मौजा कछपुरा के खसरा नंबर 95 में बने मकान को लेकर नगर निगम के राजस्व रिकॉर्ड में शेखर चौबे, छोटू चौबे और रीता चौबे के नाम से कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। पुलिस ने संबंधित भूमि और आसपास के लोगों से पूछताछ की। भूमि से जुड़े अशोक साहू ने पुलिस को बताया कि उसने वर्ष 2012 में जमीन खरीदी थी और दो लोगों को एक-एक हजार वर्गफीट के प्लॉट बेचे थे। आरोप है कि बाद में उन्हीं प्लॉटों पर शेखर और छोटू चौबे ने मकान का निर्माण करा लिया।

जेसीबी लेकर पहुंचे तो हथियार दिखाकर भगाया

अशोक साहू के अनुसार वर्ष 2018-19 में निर्माण की जानकारी मिलने पर वह अथबनी दीवार और बाउंड्री हटाने जेसीबी लेकर पहुंचा था। आरोप है कि उस दौरान शेखर चौबे और छोटू चौबे ने गालीगलौज करते हुए हथियार दिखाकर उसे वहां से भगा दिया। वर्ष 2022 में उसे पक्का मकान बनाए जाने की जानकारी मिली, लेकिन डर के कारण उसने शिकायत नहीं की। मकान में लगा बिजली मीटर भी चंद्रशेखर चौबे के नाम पर दर्ज पाया गया।

प्रयागराज में मिली लोकेशन, टीम ने दबोचा

फरारी के बाद पुलिस लगातार शेखर चौबे की तलाश कर रही थी। कंट्रोल रूम प्रभारी एसआई प्रभाकर सिंह परिहार को आरोपी के प्रयागराज में होने की सूचना मिली। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर क्राइम ब्रांच की टीम ने प्रयागराज में दबिश देकर उसे अभिरक्षा में लिया और जबलपुर लाया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड की कार्रवाई की जा रही है।

इनकी रही भूमिका

कार्रवाई में टीआई शैलेश मिश्रा के निर्देशन में एसआई प्रभाकर सिंह, एसएसआई अनिल, आरक्षक राजेश मिश्रा, अजीत सिंह और मुकेश परिहार की भूमिका रही।

- ▶ एमपी-पीएससी की चयन प्रक्रिया को चुनौती
- ▶ हाईकोर्ट ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया

असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्तियां अंतिम फैसले के अधीन

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर (इतिहास) की चयन प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस विशाल धगत की सिंगल बेंच ने स्पष्ट किया कि याचिका के लंबित रहने के दौरान की जाने वाली कोई भी नियुक्ति हाईकोर्ट के अंतिम आदेश के अधीन रहेगी। मामला विमल कुमार तिवारी व अन्य बनाम मध्य प्रदेश शासन व अन्य से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सतेन्द्र ज्योतिषी ने बताया कि एमपी-पीएससी ने वर्ष 2025 में इतिहास विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे लंबे समय से उच्च शिक्षा विभाग के अधीन महाविद्यालयों में अतिथि विद्वान के रूप में कार्य कर रहे हैं। याचिका में चयनित अभ्यर्थियों की मार्किंग और उनके द्वारा दी गई जानकारी पर आपत्ति जताते हुए चयन प्रक्रिया को नियम विरुद्ध बताया गया है। साथ ही पात्र अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत प्रावधान का अनुचित लाभ दिए जाने का आरोप लगाया गया है। हाईकोर्ट ने प्रतिवादियों से जवाब मांगा है।

हाईकोर्ट ने सिंगल बेंच का आदेश निरस्त कर वान रोजगार सहायक को दी राहत

नियमित डिग्री के साथ दूरस्थ डिप्लोमा कोर्स किया जा सकता

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि नियमित डिग्री कोर्स के साथ दूरस्थ या पार्ट टाइम डिप्लोमा कोर्स किया जा सकता है। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने इस आधार पर सिंगल बेंच का आदेश निरस्त करते हुए अपीलार्थी को राहत प्रदान की। पन्ना निवासी वृंदावन अहिरवार की ओर से दलील दी गई कि ग्राम पंचायत बगोहा, पन्ना में ग्राम रोजगार सहायक के पद के लिए जारी विज्ञापन में वृंदावन मेरिट सूची में प्रथम स्थान पर था। उसने माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय से नियमित बीकाम के साथ पार्ट टाइम डीसीए कोर्स किया था। दूसरे स्थान पर रहे रामस्वरूप यादव ने इस आधार पर आपत्ति की। जिला स्तरीय चयन समिति ने आपत्ति स्वीकार करते हुए वृंदावन के 50 अंक काट दिए। इसके खिलाफ दायर याचिका एकलपीठ ने खारिज कर दी थी। इसके बाद वृंदावन ने अपील की। युगलपीठ के समक्ष दलील दी गई कि विश्वविद्यालय की अधिसूचना व स्पष्टीकरण में डीसीए को पार्ट टाइम कोर्स बताया गया है, जिसे नियमित डिग्री के साथ किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट व अन्य हाईकोर्ट के निर्णय भी प्रस्तुत किए गए। इन आधारों पर युगलपीठ ने अपील स्वीकार कर ली।

महिला उद्यमियों के लिए ‘एक्सेस टू बिजनेस फाइनेंस’ कार्यशाला 22 सितंबर को

जबलपुर। मध्यप्रदेश एसेसिएशन ऑफ बुमेन एंटरप्रेन्योर मावे द्वारा महिला उद्यमियों, MSME उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए 'Access to Business Finance' विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन 22 सितंबर 2026 को JK Celebration, सदर बाजार में किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य उद्यमियों को व्यवसाय के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधनों और फंडिंग के अवसरों की जानकारी देना है। कार्यशाला में बैंकिंग योजनाओं, सरकारी योजनाओं तथा वैकल्पिक फंडिंग विकल्पों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी विशेषज्ञों द्वारा साझा की जाएगी। इससे नए और स्थापित उद्यमियों को व्यवसाय शुरू करने, विस्तार करने तथा वित्तीय आवश्यकताओं के अनुरूप उपलब्ध विकल्पों को समझने में सहायता मिलेगी। कार्यशाला विशेष रूप से उन महिला उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए उपयोगी होगी, जो अपने कारोबार के लिए वित्तीय सहायता की संभावनाएं तलाश रहे हैं। MAWE का उद्देश्य महिलाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सही जानकारी, अवसर और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। आयोजकों के अनुसार यह पहल महिला उद्यमियों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के साथ व्यवसायिक निर्णयों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगी।



Dr. Ortho® ORTHOPAEDIC MATTRESS

Spinal Support For Pain-Free Sleep

डा. ऑर्थो मैट्रेस खरीदें और Original Bill दिविसा हर्बलज़ प्राइवेट लिमिटेड के
मो. नंबर: 8264822252 पर शेयर करें, और पाएं Worth ₹ 1,000/- का डा. ऑर्थो फ्री गिफ्ट हैम्पर

DR. ORTHO REGULAR Mattress
Size: 72"x72"x4" MRP: ₹ 12489/-

DR. ORTHO PREMIUM Mattress
Size: 72"x72"x5" MRP: ₹ 20800/-

Orthopaedic Support Promotes Proper Spinal Alignment | Pain Relief Helps Reduce Back & Body Pain | Breathable Comfort Better Airflow For Comfortable Sleep | Durable & Reliable Built For Long-lasting Performance

Dr. Ortho Orthopaedic Mattresses are designed to give your body the perfect support and comfort it needs for a deep, pain-free sleep

Contact For Dealership: 85588 07777 • dealership@divisa.in